विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 120 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 30 जनवरी 2026 डाक 31 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

अजित पवार जल्द करने वाले थे एनसीपी के दोनों गुटों का विलय, निधन के बाद करीबी का बड़ा खुलासा

मुंबई, 30 जनवरी [एजेंसी]।

महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार का 28 जनवरी को एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया। गुरुवार को बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में एनसीपी प्रमुख का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अजित पवार के निधन के बाद से ही उनके राजनीतिक विरासत को लेकर अलग-अलग तरह से कयास लगाए जा रहे हैं। इस बीच अब उनके एक करीबी ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया था कि वो जल्द एनसीपी के दोनों गुटों का विलय करने जा रहे थे। बारामती में न्यूज एजेंसी से बात करते हुए विद्या प्रतिष्ठान के सदस्य और पवार परिवार के करीबी किरण गुजर ने कहा, आज यहां अजित पवार की अस्थियों का विसर्जन किया गया। दादा की आखिरी इच्छा थी कि एनसीपी के दोनों गुटों का विलय हो। सभी को एकजुट होना चाहिए। इस बारे में पूरे परिवार में बात हो रही थी। उनसे मेरी आखिरी फोन कॉल में उन्होंने मुझसे चुनाव से जुड़े कुछ कागजात मांगे थे। दिवंगत अजित पवार के करीबी किरण गुजर ने दावा किया कि वो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के विलय के लिए उत्सुक थे, और यह जल्द ही होने वाला था। दिग्गज नेता के निधन के दो दिन बाद उनके किरण गुजर ने बताया कि उनसे यह बात खुद अजित पवार ने साझा की थी। 1980 के दशक के मध्य में राजनीति में आने से पहले से ही किरण गुजर अजित पवार से जुड़े हुए थे। वो दिवंगत नेता के करीबी सहयोगी और विश्वसनीय सहयोगी थे।

अब किरण गुजर ने गुरुवार (29 जनवरी) को न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में कहा कि अजित पवार ने बुधवार (28 जनवरी) को विमान दुर्घटना से सिर्फ पांच दिन पहले ही उन्हें इस बारे में बताया था। गुजर ने आगे कहा कि वह दोनों गुटों को मिलाने के लिए सौ प्रतिशत उत्सुक थे। उन्होंने मुझे पांच दिन पहले बताया था कि पूरी प्रक्रिया पूरी हो गई है और अगले कुछ दिनों में विलय होने वाला है। हाल के नगर निगम चुनावों के दौरान जिसमें दोनों गुटों ने गठबंधन में चुनाव लड़ा था। अजित पवार ने कुछ चुनिंदा पत्रकारों से यह भी कहा था कि वह अपनी पार्टी का NCP (SP) में विलय करना चाहते हैं।

पुणे और पिंपरी चिंचवड़ में 15 जनवरी को हुए नगर निगम चुनावों में एक साथ चुनाव लड़ने के बाद दोनों गुटों ने अगले महीने होने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए भी गठबंधन जारी रखने का फैसला किया था। इतना ही नहीं गुजर ने दाने के साथ कहा कि अजित पवार के पास विलय और एकजुट एनसीपी के भविष्य के लिए एक रोडमैप तैयार था। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने इस मुद्दे पर शरद पवार से बात की थी, जिस पर गुजर ने कहा, पवार साहब, सुप्रिया ताई (सुप्रिया सुले) और अन्य नेताओं के साथ सकारात्मक बातचीत चल रही थी और संकेत थे कि वरिष्ठ पवार इस कदम का समर्थन करेंगे।

पाक की नापाक हरकत... जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में घुसे 15 पाकिस्तानी ड्रोन, भारतीय सेना की फायरिंग के बाद वापस भागे

श्रीनगर, 30 जनवरी [एजेंसी]।

उत्तरी कश्मीर में एलओसी पर शुक्रवार को भारतीय इलाके में घुसपैठ कर रहे पाकिस्तान ड्रोन को सेना के जवानों ने त्वरित कार्रवाई कर वापस भगाया। संबंधित सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में केरन सेक्टर के जोधा माकन बीरंडोरी इलाके के पास करीब 15 पाकिस्तानी ड्रोन उड़ते हुए देखे गए, जिसके बाद सेना के जवानों ने तुरंत कार्रवाई की यह ड्रोन भारतीय इलाके में घुसपैठ कर रहे थे। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेवा की 06 राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने भारतीय वायु क्षेत्र में पाकिस्तान ड्रोन घुसते देखे और उन पर फायरिंग की।

भारतीय जवानों की फायरिंग के बाद यह ड्रोन तुरंत अपने इलाके में वापस लौट गए। अधिकारियों ने कहा कि इस घटना में किसी की जान या नुकसान की खबर नहीं है। हालात पर कड़ी नजर रखी जा रही है, और इलाके में चौकसी बढ़ा दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने कुपवाड़ा में पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ पर अभी तक कोई आधिकारिक वक्तव्य जारी नहीं किया है।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथिः खड़गे राहुल और प्रियंका ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पुण्यतिथि पर बापू को याद किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिखा, वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे, पर-दुख्खे उपकार करे तोये मन अभिमान ना आणे रे, जिस नफरत ने हमें बापू से जुदा किया, उसका तोड़ भी बापू की ही राह है। सत्य का उजाला, अहिंसा की ताकत, और प्रेम की करुणा। बलिदान दिवस पर राष्ट्रपिता को नमन। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा, महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं, वह सोच जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी एक नफरत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। मगर राष्ट्रपिता ने हमें आजादी के साथ यह मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती है और हिंसा व भय से बड़े अहिंसा और साहस।

अज्ञात ट्रक ने रौंदा, 3 की मौत

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां एक अज्ञात ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। यह भीषण सड़क हादसा कसडोल थाने के सेल गांव में नेशनल हाईवे में हुआ है। यहां एक अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों मृतक तुरकीनडीह गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। इस हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कोहरे के बीच ट्रक ने कार को मारी टक्कर

एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

ग्वालियर, 30 जनवरी ।

ग्वालियर में घने कोहरे के बीच भीषण सड़क हादसा हो गया। भिंड रोड हाईवे पर बंटू ढाबा के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। जानकारी के अनुसार सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे और भिंड जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। परिवार भिंड से ग्वालियर की ओर जा रहा था। सुबह करीब 8 बजे जैसे ही उनकी कार बंटू ढाबा के पास पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को रौंद दिया। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के दाहिने हिस्से में झाड़ियों में जा घुसा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने चारों शवों को कार से बाहर निकालकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह घना कोहरा और तेज रफ्तार बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है। इस हादसे के बाद इलाके में कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

मिड-डे मील खाकर 22 बच्चों की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के एक प्राइमरी स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद करीब 22 बच्चे बीमार पड़ गए, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी, बच्चों ने लंच में सांभर और चावल खाए थे, जिसके बाद उन्हें पेट में दर्द और बेचैनी होने लगी। छात्रों को तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल में ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि सभी 22 छात्रों की हालत स्थिर है और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। बीमारी के कारण के बारे में और जानकारी का इंतजार है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया और वैश्विक प्रमुखों ने भारत-ईयू एफटीए की प्रशंसा की

नईदिल्ली 30 जनवरी [एजेंसी]।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते के पूर्ण होने पर दुनिया भर में, अंतरराष्ट्रीय मीडिया, विदेशी राजनीतिक नेतृत्व, वैश्विक व्यापार प्रमुखों और सम्मानित नीति विशेषज्ञों ने मज़बूत और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। इस समझौते को आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों तरह से ऐतिहासिक, रणनीतिक और सही समय पर उठाया गया कदम बताया जा रहा है। दुनिया के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने भारत-ईयू एफटीए की व्यापकता, महत्वाकांक्षा और रणनीतिक समय का उल्लेख किया है। द टेलीग्राफ ने जेम्स क्रिस्प के मोदी इज़ द रियल विनर इन मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स विद् ईयू शीर्षक से एक लेख में इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी बताते हुए कहा कि भारत इस मामले में असली रणनीतिक विजेता के रूप में उभरा है। अखबार ने बताया कि यह समझौता ईयू से भारत को होने वाले 96.6 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ को खत्म या कम करता है, जबकि ईयू सात वर्षों में 99.5 प्रतिशत भारतीय सामानों पर टैरिफ कम करेगा।

ब्लूमबर्ग ने डैन स्ट्रमफ के ऑल रोड्स लीड टू मोदी एज़ वर्ल्ड हेजिज ट्रम्प शीर्षक से एक लेख में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ मदर ऑफ ऑल डील्स समझौता एक उभरते हुए पैटर्न का नवीनतम उदाहरण है। भारत देशों के लिए पसंदीदा पार्टनर बन रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस समझौते को वैश्विक टैरिफ बाधाओं के प्रति मध्यम शक्तियों की प्रतिक्रिया के रूप में पेश करते हुए लिखा कि कैसे भारत और ईयू अमेरिकी व्यापार नीतियों से पैदा हुई अनिश्चितता के बीच गठबंधन का विस्तार कर रहे हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह समझौता लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक ब्लॉक और सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था को एक साथ लाता है। द वाशिंगटन पोस्ट ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया और अपनी हेडलाइन में कहा कि भारत और ईयू ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते में मदर ऑफ ऑल डील्स पर मुहर लगाई। द गार्जियन ने इसे मदर ऑफ ऑल डील्सः ईयू और भारत ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए के तौर पर अपनी खबरों में जगह दी।

इसी तरह की हेडलाइन बीबीसी ने भी देते हुए कहा- भारत और ईयू ने मदर ऑफ ऑल डील्स की घोषणा की। ब्लूमबर्ग ने अपने एक और लेख में सघन आपूर्ति श्रृंखला समेकन की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए बताया कि कारों पर ड्यूटी पहले के 100 प्रतिशत से अधिक के स्तर की तुलना में 10 प्रतिशत तक कम हो जाएगी और ऑटो कंपोनेंट्स पर ड्यूटी खत्म कर दी जाएगी। एसोसिएटेड प्रेस ने इस समझौते की व्यापकता की जानकारी देते हुए अपनी हेडलाइन में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ ने एक मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति जताई जो वैश्विक व्यापार का एक तिहाई हिस्सा है। इस समझौते के पैमाने को अल जज़ीरा ने भी इस समझौते को प्रमुखता से दिखाते हुए कहा कि मदर ऑफ ऑल डील्स। भारत-ईयू ट्रेड डील से 27 ट्रिलियन डॉलर का बाज़ार बनेगा। रॉयटर्स ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताते हुए कहा कि भारत, ईयू ने ऐतिहासिक व्यापारिक समझौता किया, ज़्यादातर सामानों पर टैरिफ कम किए जाएंगे। फॉक्स न्यूज़ पर पाकिस्तानी पत्रकार कमर चीमा ने कहा कि इस समझौते से भारत को फायदा होने वाला है, क्योंकि कई अहम सेक्टर में टैरिफ घटाकर ज़ीरो कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देश अब यूरोपीय बाज़ार में भारत से मुकाबला नहीं कर पाएंगे।

वैश्विक प्रमुखः पूरे यूरोप के कई वरिष्ठ राजनीतिज्ञों ने सार्वजनिक तौर पर इस समझौते का स्वागत किया। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने बातचीत के नतीजे को बहुत ही सकारात्मक संकेत बताया और इस वृद्धि और समृद्धि को

बढ़ावा देने के लिए इसे शीघ्र अति शीघ्र लागू करने की अपील की। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भारत-ईयू एफटीए को ऐतिहासिक और दोनों पक्षों द्वारा अब तक का सबसे बड़ा व्यापार समझौता बताते हुए कहा कि इससे आर्थिक और राजनीतिक संबंध काफी मजबूत होंगे। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा कि यह समझौता सहयोग के एक नए युग की शुरुआत है, जो व्यापार और साझेदारी के माध्यम से समृद्धि, प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को मजबूत करेगा। ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉक ने कहा कि यह समझौता दो अरब लोगों को फायदा पहुंचाने वाला एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाता है और इसे तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्था में यूरोप की उदार नीति के लिए एक बड़ा कदम बताया। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने समझौते को पूरा समर्थन देते हुए इसे भू-राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया और दो अरब लोगों के संयुक्त बाजार में पहले कदम उठाने के लाभ पर जोर दिया।

फ्रांस के विदेश व्यापार और आर्थिक मंत्री निकोलस फोरिसियर ने ईयू-भारत समझौते को एक बड़ा राजनीतिक कदम बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह दूसरे समझौतों से अलग है। यूरोपीय संसद के सदस्य सैंड्रो गोज़ी ने कहा कि यह समझौता साफ तौर पर साझेदारी में विविधता लाने और अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता बढ़ाने की ईयू की जरूरत को दिखाता है। उन्होंने भारत को एक प्रमुख वैश्विक राष्ट्र बताते हुए कहा कि भू-राजनीतिक और कूटनीतिक नजरिए से, यह समझौता यूरोपीय और भारतीयों दोनों के लिए महत्वपूर्ण अवसर खोलता है।

व्यापार प्रमुख और संगठनः भारत में काम कर रहे यूरोपीय और वैश्विक व्यापार प्रमुखों ने इस समझौते से अत्यंत उम्मीद जताते हुए इसे लंबे समय से प्रतीक्षित सफलता बताया। एयरबस में भारत और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया के अध्यक्ष जुर्गन वेस्टरमेयर ने एफटीए को 20 वर्ष की वार्ता के बाद एक बड़ा पल बताते हुए कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए अवसरों को बढ़ाने का काम करेगा। एयरबस इंटरनेशनल के अध्यक्ष वाउटर वैन वर्श ने इसे शानदार दिन बताया, और मेक इन इंडिया, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, रक्षा, अंतरिक्ष और अत्याधुनिक विनिर्माण के प्रति एयरबस की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता को दोहराया।इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक जान नोएथर ने कहा कि यह समझौता दो अरब लोगों और वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से को एक साथ लाता है, और इसे मदर ऑफ ऑल ट्रेड्स बताया। बर्लिन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएचके बर्लिन) के अध्यक्ष, सेबेस्टियन स्टीज़ेल ने भारत-ईयू एफटीए को लगातार तनावपूर्ण वैश्विक स्थिति में खुलेपन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि भारत अब भविष्य का बाज़ार नहीं, बल्कि वर्तमान का बाज़ार है, जिसमें बर्लिन को अब अवसरों का फ़ायदा उठाना चाहिए। वोक्सवैगन, बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज-बेंज जैसी प्रमुख जर्मन कार निर्माताओं के सीईओ सहित प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों ने भारत में जर्मन निर्यात को बढ़ावा देने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के इस समझौते की क्षमता की सराहना की। क्रोएशियाई एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन (एचयूपी) और बिजनेसयूरोप ने वैश्विक संरक्षणवाद के बीच ईयू-भारत एफटीए को ईयू के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक कदमों में से एक बताया।स्वीडिश व्यापार संगठनों जैसे स्वेन्स्कट नेरिंग्सलिव और फ़ोरेटैगार्ना ने इसे एक बड़ा अवसर बताया है, जिसमें कम टैरिफ और बेहतर बाज़ार पहुंच का हवाला दिया गया है।

आयरिश आर्थिक और व्यावसायिक निकायों ने ईयू-भारत एफटीए का स्वागत किया है। चैंबर्स आयरलैंड ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया जो आयरिश निर्यातकों, विशेष रूप से मशीनरी और कृषि-खाद्य क्षेत्रों के लिए बाज़ार पहुंच और विविधीकरण को बढ़ाता है। अन्य वरिष्ठ व्यावसायिक हस्तियों, जिनमें फ्रैंक श्लोडर (मैनेजिंग डायरेक्टर, हेफ़ेल साउथ एशिया), थॉमस वोल्टर (मैनेजिंग डायरेक्टर, क्रोन्स मशीनरी इंडिया), लार्स एरिक जोहानसन (एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, ऑक्सिया जीएमबीएच), जान-ओलोफ़ जैक (सीईओ, कन्फेडरेशन ऑफ़ स्वीडिश एंटरप्राइज) और फ्रेडरिक पर्सन (प्रेसिडेंट, बिजनेसयूरोप) शामिल हैं, ने इस समझौते का नियमों पर आधारित व्यापार, आपूर्ति-श्रृंखला उदारता, एसएमई विकास और दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धा के लिए एक मजबूत संकेत के रूप में स्वागत किया।

अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ और थिंक टैंकः वैश्विक नीति विशेषज्ञों और थिंक टैंक ने इस समझौते को ठोस रूप से मजबूत और रणनीतिक रूप से सही समय पर किया गया फैसला बताया। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के वरिष्ठ सलाहकार रिचर्ड रॉसो ने कहा कि यह समझौता दुनिया की एक चौथाई आबादी और वैश्विक व्यापार के एक बड़े हिस्से को एक साथ लाता है और उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक दृष्टिकोण मजबूत आधार को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के हाल के एफटीए गहरे और अधिक महत्वाकांक्षी व्यापार प्रतिबद्धताओं की ओर एक स्पष्ट बदलाव दिखाते हैं।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायेंः- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

यमुनोत्री धाम में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक!

पदाधिकारियों के बयानों में विरोधाभास, बैठक के बाद होगा फैसला

बड़कोट, 30 जनवरी [एजेंसी]।

यमुनोत्री धाम में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक के निर्णय को लेकर यमुनोत्री मंदिर समिति के पदाधिकारियों के बयान से विरोधाभास की स्थिति उत्पन्न हो गयी है। समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल के हवाले से जहां कुछ समाचार पत्रों में धाम में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने की खबर प्रकाशित हुई है। वहीं, अब समिति के सचिव सुनील उनियाल का कहना है कि वह अभी जनपद से बाहर देशाटन पर हैं, इस संबंध में जनपद वापसी के बाद सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्णय लिया जाएगा।

बताया कि इस संबंध में अभी तक मंदिर समिति ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। दरअसल, शुक्रवार आज कुछ समाचार पत्रों ने यमुनोत्री धाम में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी खबर प्रकाशित की है, जब इस संबंध में समिति के सचिव सुनील उनियाल से दूरभाष पर संपर्क किया तो उन्होंने मंदिर समिति के ऐसा कोई भी निर्णय लिए जाने से साफ इंकार किया। इधर, समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल का कहना है कि यमुनोत्री धाम में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक होनी चाहिए। इसी को लेकर उन्होंने मीडिया में बयान दिया है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में छिपे जैश के तीन आतंकी, सर्च ऑपरेशन शुरू, इंटरनेट सेवा बंद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकियों के छिपे होने की खबर है। इन आतंकियों को मार गिराने के लिए सेना का अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को बर्फ से ढके चतरू इलाके में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियान को तेज कर दिया है ताकि जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में छिपे जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों के समूह का पता लगाकर उन्हें खत्म किया जा सके।

अटल स्मृति भवन' बनेगा भाजपा संगठन की नई पहचान

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के नवीन जिला कार्यालय के भूमिपूजन समारोह के अवसर पर मीडिया से संवाद सह भेंटवार्ता कार्यक्रम का आयोजन प्रेस क्लब, तिलक भवन, टी.पी. नगर, कोरबा में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी , विधायक प्रेमचंद पटेल, कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत , रायपुर संभाग के सह प्रभारी डॉ. राजीव सिंह एवं जिला महामंत्री युवा मोर्चा नरेंद्र देवांगन की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री गो मोदी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि 'सेवा ही संगठन है' के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए भारतीय जनता पार्टी कोरबा जिला द्वारा एक भव्य, आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त जिला कार्यालय के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि कोरबा जिले के नवीन भाजपा जिला कार्यालय का नामकरण 'अटल स्मृति भवन' के रूप में किया जाएगा, जो राष्ट्रनायक भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों और आदर्शों का प्रतीक होगा। श्री मोदी ने जानकारी दी कि यह नया जिला कार्यालय लगभग 1 एकड़ 68 डिसमिल भूमि पर निर्मित किया जाएगा, अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त यह कार्यालय दूर-दराज़ से आने वाले कार्यकर्ताओं के लिए संगठनात्मक गतिविधियों, प्रशिक्षण, वैचारिक विमर्श एवं जनसेवा का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने भाजपा के संगठनात्मक इतिहास का उल्लेख करते हुए बताया कि पूर्व में भाजपा जिला कार्यालय का भूमि पूजन 16 जनवरी 1991 को तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष लखीराम अग्रवाल के कर-कमलों से संपन्न हुआ था तथा उसका लोकार्पण 24 मार्च 1993 को कुशाभाऊ ठाकरे द्वारा किया गया था। नया प्रस्तावित कार्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि भाजपा की विचारधारा, संस्कार और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने वाला वैचारिक केंद्र होगा।मीडिया संवाद कार्यक्रम में पूर्व महापौर जोगेश लांबा, अशोक चावलानी, एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता विकास अग्रवाल, जिला महामंत्री संजय शर्मा, अजय विश्वकर्मा, जिला कोषाध्यक्ष अजय पांडेय सहित जिले के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व पोर्टल के पत्रकार साथी , भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा-प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहाँ संगठन की भावी योजनाओं एवं भाजपा के जनसेवा संकल्प पर सार्थक संवाद हुआ।

बुधवारी बाजार में जिले की संयुक्त टीम द्वारा 05 दुकानों में चलानी की कार्यवाही कर वसूले 1750 रूपये

नार्को कोआर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की बैठक में कलेक्टर द्वारा दिए गए आदेशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के निर्देशासानुसार जिले की संयुक्त टीम जिसमें पुलिस विभाग से डीएसपी प्रतिभा मरकाम, रामपुर थाना से 2 आरक्षक, नगर निगम से श्री मनहरण नेताम, शिक्षा विभाग से श्री एचआर.मिरेन्द्र, श्रम विभाग से श्रम निरीक्षक श्रीमती सरस्वती बंजारे, खाद्य एवं औषधि विभग से औषधि निरीक्षक श्री सुनील कुमार साण्डे एवं स्वास्थ्य विभाग से जिला सलाहकार (एनटीसीपी) डॉ.मानसी जायसवाल, सोसल वर्कर श्री संतोष्ष कुमार केवट के द्वारा बुधवारी बाजार सरस्वती शिशुमंदिर के 100 गज के दायरे में आने वाली तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानों में धारा 04 और धारा 6(अ) 6(ब) का उलंघन किए जाने पर 05 दुकानों में चालानी की कार्यवाही की गई जिसमें रूपये 1750/- जुर्माना वसूला गया और आईसी पाम्पलेट बांटते हुए उपस्थित लोगों को कोटपा अधिनियम 2003 के बारे में जानकारी देते हुए तम्बाकू सेवन से होने वाले दूस्प्रभावों के बारे में बताया गया। साथ ही सभी तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानों में घारा 6 (अ) का पोस्टर चस्पा किया गया।

'किसान हितैषी नीतियों से सशक्त हुआ अन्नदाता, धान उपार्जन व्यवस्था बनी भरोसे की पहचान'

कोरबा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों और खेती को सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयास आज जमीन स्तर पर सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। किसान हितैषी नीतियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है और किसानों के चेहरों पर संतोष एवं विश्वास साफ झलक रहा है। धान उपार्जन की प्रक्रियासुचारू, सरल एवं पूर्णत: पारदर्शी बनाई गई है, जिससे किसानों को पूर्व में होने वाली परेशानियों से निजात मिली है।

कोरबा जिले के ग्राम गौरबोरा निवासी कृषक श्री अमर सिंह कंवर इस सफल व्यवस्था का उदाहरण हैं। श्री कंवर द्वारा इस वर्ष 100 क्विंटल धान का विक्रय किया गया, जिसे उन्होंने सोनपुरी धान उपार्जन केंद्र में बेचा। गत वर्ष उन्होंने लगभग 150 क्विंटल धान का विक्रय किया था। वे लगभग 14 एकड़ भूमि में खेती कार्य करते हैं और शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य प्राप्त होने से वे अत्यंत संतुष्ट हैं।

श्री कंवर ने बताया कि शासन की योजनाओं से आज किसान खुश हैं, क्योंकि सरकार ने किसानों की मेहनत को समझते हुए उन्हें उनकी उपज का उचित और सर्वाधिक समर्थन मूल्य प्रदान किया है। इससे वे अपनी पारिवारिक आवश्यकताओं और अन्य कार्यों को सहजता से पूरा कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह सहयोग और व्यवस्था न होती, तो खेती करना किसानों के लिए कठिन हो जाता।

02 करोड़ रू. से वार्ड क्र. 56 में बनेगा नाला

कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने किया विकास कार्यो का भूमिपूजन

कोरबा । नगर निगम के वार्ड क्र. 56 लाटा में 02 करोड रूपये से नाला का निर्माण किया जाएगा, तो वहीं दूसरी ओर 38 लाख रूपये की लागत से सरदार वल्लभभाई पटेल चौक में सौंदर्यीकरण का कार्य होगा। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री सह कोरबा नगर विधायक लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं कोरबा नगर निगम महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में उक्त दोनों महत्वपूर्ण विकास कार्यो का भूमिपूजन किया गया। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा दर्री जोन के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्र. 56 में पीएमएवाई साईट से लाटा तालाब तक 02 करोड रूपये की लागत से आरसीसी नाला का निर्माण तथा वार्ड क्र. 58 में स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल चौक में सौंदर्यीकरण का कार्य 38 लाख रूपये की लागत से कराया जाना हैं। पृथक-पृथक आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों में उक्त दोनों महत्वपूर्ण विकास कार्यो का भूमिपूजन एवं शिलान्यास कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित वार्ड पार्षदगण व जनप्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के हित में लिए गए अपने ऐतिहासिक निर्णयों के लिए जाने जाते हैं, उनके निर्णयों से विश्वस्तर पर भारत का सम्मान बढ़ा है तथा विश्व में भारत की प्रतिष्ठा व विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है, उनके मार्गदर्शन में एक ओर जहॉं देश के चहुमुंखी विकास को तेज गति मिली है, वहीं दूसरी ओर उनकी जनकल्याणकारी योजनाओं से देश के करोड़ो परिवार लाभांवित हो रहे हैं। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि अपने सहज, सरल स्वभाव की छबि रखने वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में छत्तीसगढ़ राज्य विकास के पथ पर तेजी से बढ़ रहा है, उन्होने कहा कि 15 वर्षो तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह के द्वारा प्रारंभ कराई गई विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को पूर्ववर्ती सरकार ने बंद कर दिया था, अब इन योजनाओं को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा पुन: प्रारंभ कराया गया है, साथ ही जनहित की नई योजनाएं क्रियान्वित कराई गई हैं, जिनसे प्रदेश के लाखों परिवार लाभांवित हो रहे हैं। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि विगत कुछ वर्षो से रूकी हुई कोरबा की विकास यात्रा अब रफ्तार पकड़ चुकी है, वार्ड व बस्तियों में निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं, क्षेत्र की जनता जनार्दन की विकास संबंधी जो भी मांग या आवश्यकता सामने लाई जाती है, उस पर त्वरित कार्यवाही हो रही है, जनसमस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है, और मुझे खुशी है कि कोरबा की इस विकास यात्रा में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव, कैबिनेट मंत्री तथा कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन का पूरा-पूरा आशीर्वाद व मार्गदर्शन हम सबको प्राप्त हो रहा है। सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह हम सबके लिए गौरव का विषय है कि कोरबा की जनता ने जिस विश्वास व उम्मीद से कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत को अपना आशीर्वाद प्रदान किया था, उन पर अपना विश्वास दिखाया था, आज कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत जनता जनार्दन की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरे उतर रहे हैं। भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान वरिष्ठ पार्षद नरेंद्र देवांगन के साथ ही वार्ड पार्षद विनम्र तिवारी, श्रीमती सुखविन्दर कौर, एम.आई.सी. सदस्य फिरतराम साहू, पार्षद मुकुंद सिंह कंवर, किशन केंवट, जनक राजपूत, मण्डल अध्यक्ष मनोज लहरे, पूर्व पार्षद राधेलाल यादव, बुधवारसाय यादव, कविता राजपूत, संजय कुर्मवंशी, रतन सिंह, पूर्व मण्डल अध्यक्ष ईश्वर साहू, पूर्व एल्डरमेन तुलसी ठाकुर, नारायण सिंह ठाकुर, लक्ष्य चतुर्वेदी, नरेन्द्र पाटनवार, अनिल यादव, राज जायसवाल, किशोर साहू, विजय मिर्री, भूपेन्द्र साहू, विजय अग्रवाल, प्रमोद शुक्ला, नीलम दुग्गल, नीलम शुक्ला, उषा ठाकुर, गजाधर यादव, राकेश राय, टेकलाल वर्मा, करीम शेख, ओम यादव, उमेश साहू, पूर्णिमा महंत, बंधन महंत, विनय कुमारी तिवारी, रमेश जादूगर,

एड्स जन जागरूकता अभियान पर हेल्थ केयर प्रोवाइडर एवं अन्य हॉस्पिटल स्टाफ के लिए 1 दिवसीय बैठक सम्पन्न

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी डॉ.रविकान्त सिह राठौर के नेतृत्व में एचआईव्ही/एड्स जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम अंतर्गत इंटेसीफाईड आईईसी कैम्पेन के तहत जिले में सघन प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा हे । इस अभियान के अंतर्गत एचआईव्ही/एड्स एवं एक्ट 2017 विषय पर हेल्थ केयर प्रोवाईडर एवं अन्य हॉस्पीटल स्टाफ के लिए 01 दिवसीय बैठक का आयोजन 28.01.2026 को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। बैठक् का उद्देश्य सभी केयर प्रोवाईडर्स को एचआईव्ही/एड्स के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ टोल फ्री न. 1097 की जानकारी प्रदान करना है। इस नम्बर पर कोई भी कभी भी एचआईव्ही/एड्स से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकता है। साथ ही एचआईव्ही/एड्स के साथ जी रहे लोगों के अधिकारों के संरक्षण के लिए एचआईव्ही एवं एड्स (प्रिवेंशन एवं कंट्रोल एक्ट) 2017 की जानकारी पदान की गई ताकि हेल्थ केयर प्रोवाईडर एचआईव्ही संक्रमित साथ भेदभाव ना हो।

'का हाल हे कका....... कोई तकलीफ़ तो नहीं?' : कलेक्टर ने किसानों से संवाद कर किया धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण

कोरबा । 'का हाल हे कका........ कोई तकलीफ़ तो नहीं कौन सा धान है, कितना धान है खरीदी केंद्र में भी 10 हजार रुपये तक निकालने की सुविधा है3 तत्काल आवश्यकता हो तो पैसे निकाल सकते हैं..... कोई समस्या हो तो बताइए। 'इन्हीं सरल और आत्मीय शब्दों के साथ कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने आज खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत पाली विकासखंड स्थित धान उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया और किसानों से खरीदी व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।कलेक्टर ने केंद्र में धान बेचने आए किसानों के धान की नमी एवं गुणवत्ता की स्वयं जांच कर खरीदी की स्थिति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।उन्होंने ग्राम नान पुलाली के किसान श्री उमेंद सिंह सहित अन्य किसानों से संवाद किया। किसानों ने बताया कि उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार टोकन कटाया था और आज बिना किसी परेशानी के अपना धान बेच पा रहे हैं। इस पर कलेक्टर ने संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन केंद्रों में केवल वास्तविक एवं पात्र किसानों से ही धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए।कलेक्टर श्री दुदावत ने स्पष्ट निर्देश दिए कि केंद्र में आने वाले धान की अनिवार्य रूप से पलटी कराकर ढेरी लगाई जाए तथा नमी की जांच के बाद ही खरीदी की जाए। उन्होंने कहा कि पुराने, अवमानक एवं अनुपयोगी धान की खरीदी पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा।

आबकारी विभाग के अधिकारी आदिवासियों को कर रहे परेशान,हो निष्पक्ष जांच : फूलसिंह

कोरबा। कोरबा जिले में आबकारी विभाग बीते कुछ महीनों से चर्चा में रहे हैं बावजूद इसके विभाग के दो अधिकारियों पर फिर से वनांचल क्षेत्र के आदिवासी ग्रामीणों से अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगे हैं। रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक फूलसिंह राठिया ने इस मामले को लेकर कलेक्टर को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

विधायक फूल सिंह राठिया द्वारा भेजे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि आबकारी विभाग में पदस्थ उप निरीक्षक जया मेहर देवांगन और प्रधान आरक्षक संतोष राठौर द्वारा क्षेत्र के भोले-भाले आदिवासी ग्रामीणों को जेल भेजने का डर दिखाकर अवैध रूप से पैसों की मांग की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पैसे नहीं देने पर झूठे प्रकरण दर्ज कर जेल भेजने की धमकी दी जाती है।

श्यांग थाना क्षेत्र अंतर्गत बरपाली गांव में विवाद, सरपंच पर भी मामला दर्जपत्र में यह भी उल्लेख है कि कुछ दिन पहले ग्राम पंचायत बरपाली में ग्रामीणों और आबकारी विभाग के बीच विवाद की स्थिति बनी थी। इस दौरान आबकारी विभाग ने गरीब आदिवासी ग्रामीणों और ग्राम पंचायत के सरपंच के खिलाफ श्यांग थाना में शिकायत दर्ज कराई। विधायक का कहना है कि यह कार्रवाई दबाव बनाने और भय का माहौल पैदा करने के उद्देश्य से की गई है।

'कानून का डर नहीं, पद का दुरुपयोग '

विधायक फूलसिंह राठिया ने आरोप लगाया है कि संबंधित अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं और उन्हें कानून का कोई भय नहीं है। उन्होंने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए प्रशासन से तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है।

प्रशासन पर टिकी निगाहें

अब इस मामले में जिला प्रशासन की भूमिका अहम मानी जा रही है। यदि निष्पक्ष जांच होती है तो आदिवासी क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही कथित अवैध वसूली की परतें खुल सकती हैं।

सुन्नी मुस्लिम जमात के पंजीयन को मिली वैधता : अखलाख खान

एसआईआर को लेकर 9 फरवरी को निकालेंगे मौन जुलूस

कोरबा । 'कोरबा जिले में सुन्नी मुस्लिम जमात के नाम से किए गए दो अलग-अलग पंजीयनों को लेकर समाज में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। इस मामले में सुन्नी मुस्लिम जमात पंजीयन क्रमांक 24875 एवं सुन्नी मुस्लिम जमात पंजीयन क्रमांक 12220215904 1 के बीच वैधता को लेकर फर्म्स एंड सोसायटी तथा उच्च न्यायालय में मामला विचाराधीन था। लंबी सुनवाई के बाद न्यायालय द्वारा 4 जुलाई 2025 को आदेश पारित किया गया, जिसमें सुन्नी मुस्लिम जमात पंजीयन क्रमांक 24875 को वैध करार दिया गया है।'

उक्त कथन सुन्नी मुस्लिम जमात के अध्यक्ष हाजी अखलाख खान ने एक पत्रकारवार्ता के दौरान कही। उन्होंने आगे कहा कि न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस जमात के वर्तमान अध्यक्ष हाजी अख़लाक़ खान असरफी हैं। वहीं सुन्नी मुस्लिम जमात पंजीयन क्रमांक 12220215904 1 को न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया गया है। सुन्नी मुस्लिम जमात कोरबा (पंजीयन क्रमांक 24875) वर्ष 1990 से कोरबा जिले में सामाजिक, धार्मिक और जनकल्याणकारी कार्य करती आ रही है और आगे भी अपने उद्देश्यों के तहत समाज सेवा का कार्य निरंतर करती रहेगी। इस निर्णय के बाद सुन्नी मुस्लिम समाज में व्याप्त सभी भ्रांतियों पर विराम लग गया है और अब स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सुन्नी मुस्लिम जमात कोरबा के द्वारा मुस्लिम जमात खाना मे बैठक रखी गयी थी, जिसमें समाज हित में कार्य करने हेतु निर्णय लिया गया। साथ ही एसआईआर के मुद्दे मे चर्चा हुई। चर्चा के दौरान सभी लोगों ने बताया कि बहुत जगह से मुस्लिम समाज के लोगों के नाम को विलोपित सूची में डाला जा रहा है। इसको लेकर मुस्लिम समाज में काफी नाराजगी है। सुन्नी मुस्लिम जमात के बैनर तले 9 फरवरी को दोपहर 2 बजे जिले के मुस्लिम समाज घंटाघर में एकत्रित होंगे। वहाँ से कलेक्टर कार्यालय तक मौन जुलूस निकाला जायेगा। जुलुस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज एकत्रित होंगे और कलेक्टर को ज्ञापन दिया जाएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से कोरबा शहर के काजी व सुन्नी मुस्लिम जमात कोरबा के सरपरस्त कारी सैय्यद सब्बीर अहमद असरफी, अध्यक्ष हाजी अख़लाक़ खान असरफी, कार्यवाहक अध्यक्ष हकीम खान, जनरल सेक्रेटरी जुम्मन खान रिज़वी, सेक्रेटरी सैय्यद असफाक अली, अध्यक्ष मेमन जमात कोरबा हाजी आमीन शेखानी, सरवर हुसैन खान, एहसान खान, रिज़वान खान, फरियाद अली, बरकत खान शाकिर अंसारी, असरफ अली, कुसमुंडा से अब्दुल रऊफ, अब्दुल कलाम अंसारी, चुनचुनी से बशीर खान, नूनबिर्रा से चांद खान, इस्माइल खान, जिलगा बरपाली से जावेद खान, समसूद अली, सलमान खान, रुमगड़ा से इसराइल आलम सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

निगम के वार्डो में पहुंच रही प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की टीम

कोरबा । नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड एवं बस्तियों में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के क्रियान्वयन हेतु निगम के अधिकारी कर्मचारियों की टीम 27 जनवरी से वार्डो में पहुंच रही है तथा पार्षदों व नागरिकों से चर्चा कर उन्हें प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के लाभो की जानकारी देते हुए घरों में सोलर पैनल लगाने हेतु प्रेरित व प्रोत्साहित करते हुए इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही कर रही है। आयुक्त आशुतोष पांडेय ने आदेश जारी कर इस विशेष अभियान हेतु अधिकारी कर्मचारियों की वार्डबार तैनाती की थी तथा योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु पूरी इच्छा शक्ति के साथ कार्य करने के निर्देश उन्हें दिए थे।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महती योजना प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का क्रियान्वयन फरवरी 2024 में आम जनता के हित में किया गया था, जनहित में लागू की गई यह योजना आवासीय परिसरो, घरों में रूफ टॉप सोलर पैनल सयंत्र स्थापित कर उपभोक्ताओं को बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, इसके माध्यम से उपभोक्ता न केवल अपने घरेलू बिजली आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकेंगे, बल्कि अतिरिक्त विद्युत को ग्रिड में प्रवाहित कर आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर पाएंगे, यह पहल हर घर को ऊर्जा उत्पादक बनाने, बिजली हेतु आत्मनिर्भर करने तथा बिजली बिल के भार से मुक्त होने व इससे अतिरिक्त आय अर्जित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार इस योजना के सफल क्रियान्वयन तथा इसका अधिकाधिक लाभ आम नागरिकों को पहुचाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। राज्य शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के तहत नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के क्रियान्वयन हेतु निगम पूरी इच्छा शक्ति के साथ कार्य कर रहा है।

इसी कड़ी में अब निगम के अधिकारी कर्मचारियों की टीम 27 जनवरी से वार्ड व बस्तियों में पहुंच रही है तथा वार्ड के पार्षद, नागरिकों व विद्युत विभाग के अधिकारियों के समन्वय से योजना के सफल क्रियांवयन हेतु विशेष अभियान संचालित करते हुए शिविर लगा रही है। आयुक्त आशुतोष पांडेय ने आदेश जारी कर इस हेतु वार्डबार अधिकारी कर्मचारियों की तैनाती की है। वार्डो में लगाए जाने वाले शिविरों हेतु निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 जनवरी को वार्ड क्रमांक 3, 43 एवं 28 जनवरी को वार्ड क्रमांक 2, 6, 37, 51, 61 में टीम ने पहुंचकर शिविर लगाया तथा योजना क्रियान्वयन की कार्यवाही की। इसी प्रकार 29 जनवरी को वार्ड क्रमांक 1, 30, 39, 63 तथा 30 जनवरी को वार्ड क्रमांक 5 में यह टीम पहुंचेगी एवं योजना के क्रियान्वयन हेतु अभियान संचालित करेगी। इसी प्रकार अन्य वार्डो में भी निर्धारित तिथियां में टीम जाएगी तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन हेतु अभियान संचालित करेगी।

कलेक्टर ने किया पाली महोत्सव आयोजन स्थल का निरीक्षण

कोरबा। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने आज पाली के केराझरिया में 15 एवं 16 फरवरी को आयोजित होने वाले दो दिवसीय पाली महोत्सव की तैयारियों के संबंध में स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित नोडल अधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा करते हुए समग्र तैयारी की समीक्षा की।

कलेक्टर ने मंच एवं बैठक व्यवस्था हेतु की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने पार्किंग, वीआईपी बैठक व्यवस्था, विभागीय स्टॉल सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मंच पर आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने पेयजल व्यवस्था, शौचालय, कलाकारों के ठहरने की व्यवस्था तथा प्रवेश पास से संबंधित तैयारियों की भी समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।कलेक्टर ने संभावित वीआईपी आगमन की स्थिति में हेलीपैड की तैयारी की जानकारी ली। उन्होंने आपात स्थिति की तैयारी के लिए एम्बुलेंस एवं अग्निशमन वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री आशुतोष पांडेय, जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश कुमार नाग, एसडीएम श्री रोहित सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में आत्महत्या के लिए मजबूर किसानों की 28 फरवरी तक धान खरीदी करे सरकार - आम आदमी पार्टी

कोरबा। आम आदमी पार्टी ने प्रदेश में किसानों के साथ हो रहे अन्याय पर कोरबा जिले के घंटाघर पर विशाल धरना प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष भानु चंद्रा ने कहा कि सरकार छत्तीसगढ़ के अन्नदाता के खिलाफ एक के बाद एक नए नए षड्यंत्र कर आत्महत्या के लिए मज़बूर कर रही है। सरकार ने घोषणा की थी कि धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू की जायेगी,लेकिन सबको पता हैं कि सरकार ने लेट कर धान खरीदी कहीं पर 17 तारीख कहीं पर 18 तारीख और कई जगह तो 25 नवम्बर से खरीदी चालू की। और अब धान खरीदी 29 जनवरी को बंद कर रहे हैं जबकि सरकार ने 31 जनवरी तक धान खरीदने की बात कही थी, जो की अपनी बात से ही मुकर रही है। सरकार ने साजिश के तहत लाखों छोटे किसानों का जबरदस्ती रकबा समर्पण करवा रही है। वहीं कुछ किसानों को आज तक टोकन नहीं मिला है ना ऑनलाइन, ना ऑफलाइन। जो छोटे किसान थे उन्हें 1 टोकन, जो मीडियम किसान थे उन्हें 2 टोकन और बड़े किसानों को 3 टोकन दिया गया बावजूद इसके आज भी किसान अपनी पूरी धान नहीं बेंच पा रहें हैं। धान खरीदी केंद्र की प्रतिदिन लिमिट को सरकार ने इस बार कम कर दिया था

जिससे किसान सिर्फ लाइन लगाकर अपना इंतजार करते परेशान ही दिखे।

आप प्रदेश संयुक्त सचिव प्रतिमा ने कहा प्रदेश के मंत्रिमंडल में हर मंत्री किसान परिवार से है फिर भी किसानों की अनदेखी क्यों की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी भी किसान है लेकिन किसानों के लिए सशक्त आवाज नहीं उठा रहे हैं कांग्रेस भी सवालों के घेरे में है।किसानो की हितैषी बात करने वाली सरकार धान खरीदी में पूरी तरह फेल हो चुकी है।सरकारी समितियों में भ्रष्टाचारी सिस्टम लाखों क्विंटल धान को चूहों द्वारा खा लिया ऐसा कहकर जनता के पैसे का भ्रस्टाचार कर रहें हैं और ये सरकार उसे रोकने में पूरी तरह नाकाम ही रही है। जिला अध्यक्ष रिचर्ड डेविड लोगन ने कहा राज्य की भाजपा सरकार किसानों से जबरदस्ती रकबा समर्पण कराना बंद करे, टोकन के नाम पर भौतिक सत्यापन कर किसानों को अपमानित करना बंद करे ,सभी किसानों को समुचित टोकन व्यवस्था करे और धान खरीदी की तारीख 28 फरवरी तक करे ताकि प्रदेश का अन्नदाता किसान अपनी सारी फसल को बेंच सके। इस अवसर पर लोकसभा महासचिव शत्रुघन साहू, लोकसभा उपाध्यक्ष भूषण कुर्रे ,सत्येंद्र यादव ,विजय नायक ,महिला विंग अध्यक्ष सरोज यादव सोमराज ,टी सी सूरज, एसटी महिला विंग अध्यक्ष पुष्पा लहरें, ठंडाराम, रामलाल मार्को, वामन वडोदकर,सहित बड़ी संख्या कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

जांजगीर जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी

जांजगीर-चांपा। जिला न्यायालय को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी प्राप्त होने की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में तत्काल सुरक्षा व्यवस्था को सक्रिय किया गया। संभावित खतरे को दृष्टिगत रखते हुए जिले की स्कॉट टीम एवं बम निरोधक दस्ता को मौके पर बुलाया गया।

अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए ष्टस्क्क जांजगीर योगिता बाली खापर्डे एवं थाना प्रभारी जांजगीर जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में जिला न्यायालय परिसर की सघन तलाशी ली गई। न्यायालय भवन के अंदर,आसपास के परिसर, पार्किंग स्थल तथा आम जनता एवं कर्मचारियों की आवाजाही वाले सभी स्थानों की बारीकी से जांच की गई। साथ ही न्यायालय में आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की भी सावधानीपूर्वक चेकिंग की गई। बम निरोधक दस्ते द्वारा की गई जांच के दौरान किसी भी प्रकार की विस्फोटक सामग्री, संदिग्ध वस्तु अथवा खतरे से संबंधित कोई प्रमाण नहीं पाया गया, जिससे स्थिति पूर्णतः सुरक्षित पाई गई।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना जांजगीर में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है तथा धमकी भरे ई-मेल की तकनीकी जांच एवं आरोपी की पहचान हेतु विवेचना की कार्यवाही जारी है। पुलिस द्वारा साइबर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की गहन जांच की जा रही है।

धान खरीदी व्यवस्था से किसान को मिला भरोसा

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष में धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए भरोसे का मजबूत आधार बनती जा रही है। यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी, पारदर्शी एवं किसान-हितैषी है, इसका सशक्त उदाहरण ग्राम सेमरा निवासी किसान अश्वनी कुमार साहू के अनुभव से सामने आया है।

धान खरीदी एवं किसानो की समस्याओं को लेकर कांग्रेसियों ने किया एसडीएम कार्यालय का घेराव

जांजगीर चांपा। 28 जनवरी को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आदेश पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा किसानों के समस्या को लेकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय का घेराव किया गया अंबेडकर प्रतिमा जांजगीर पर धरना प्रदर्शन के साथ कांग्रेसियों द्वारा एसडीएम कार्यालय पहुंचकर कई घंटे तक प्रदर्शन किया गय। यहां पर यह बताना लाजमी होगा कि इन दिनों भाजपा सरकार के द्वारा धान खरीदी की जा रही है किंतु किसानों को परेशान करने की नीयत से टोकन देने में आनाकानी इनके द्वारा किया जा रहा है किसान जब धान मंडी में अपने धान लेकर पहुंचते है तो उनको कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है टोकन देने में तहसीलदार पटवारी एवं अन्य कर्मचारियों को लगाया गया है ।

किसानों का धान चेक करने अधिकारी घर घर जा रहे हैं इनको ऐसा लग रहा है कि किसान जो धान बेचेगा वह गलत है किसान भाजपा के रवैया से परेशान है धरना प्रदर्शन में विशेष रूप से उपस्थित जांजगीर-चांपा के विधायक व्यास नारायण कश्यप ने कहा कि सरकार की धान खरीदी नीति को लेकर खड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सरकार धान खरीदी नहीं कर सकती थी तो स्पष्ट रूप से बोल दे कि हम किसानों का धान नहीं खरीद सकते टोकन का झांझट तहसीलदार एवं पटवारी को घर-घर भेज कर उनके धान को चेक कर रहे हैं जो कि अनुचित है भाजपा की नीति पर विधायक ने कहा कि सरकार चाहती है कि जितना कम से कम धान खरीदी हो ताकि उनका आर्थिक बजट कम खर्चे पर हो उन्होंने कहा कि किसानों को सरकार चोर समझ रही है दूसरे के धान को अपने घर पर रखकर धान बेचेगा विधायक के साथ कई कांग्रेसी धान का बोरी उठाकर एसडीएम कार्यालय तक पहुंचे थे इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भगवान दास ने कहा कि किसान साल भर कड़ी मेहनत के बाद फसल उगाता है और जब उसे उचित समय पर बिक्री ना हो तो उस दर्द को वही किसान समझ सकता है मैं भी एक किसान का बेटा हूं इस दर्द को समझता हूं किसान आज भाजपा के सरकार में कितना परेशान है ।

आज किसान टोकन के लिए दर-दर भटक रहा है इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामविलास राठौर ब्लॉक अध्यक्ष गौरव सिंह नवागढ़ बबला तिवारी ग्रामीण अध्यक्ष पूर्व कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश शर्मा एवं परस शर्मा अजीत राणा शिशिर द्विवेदी रफीक सिद्दीकी पूर्व पार्षद विवेक सिंह, चिंता राम कश्यप, गोविंद कश्यप, कृष्ण प्रजापति, तुलसीदास वैष्णव, विवेक सिसोदिया पूर्व युवा कांग्रेस के अध्यक्ष प्रिंस शर्मा पूर्व जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष रमेश पैगवार जिला पंचायत सदस्य ज्योति किशन महिला कांग्रेस की महामंत्री माधुरी आदित्य हेमलता राठौर शेषनाथ टंडन महेश खरे एवं अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित थे कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामविलास राठौर ने भी कहा कि भाजपा की सरकार किसान विरोधी सरकार है जो की किसानों के साथ अत्याचार कर रही है ।

पूजा मर्डर केस: पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन पहुंचे पीड़ित परिवार के घर

जांजगीर-चांपा। जिले को मामले में पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन ने मृत युवती पूजा महंत के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने शोकाकुल परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि इस जघन्य हत्या के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए।

पूर्व विधायक देवांगन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय पांडेय से दूरभाष पर सीधी बातचीत की और आरोपियों के खिलाफ कड़ी और त्वरित कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने साफ कहा कि एक सभ्य समाज में इस तरह के अपराधों की कोई जगह नहीं है, पीड़िता को न्याय दिलाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन ने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को पत्र लिखकर पूजा हत्याकांड के आरोपियों पर कड़ी से कड़ी और ऐतिहासिक कार्रवाई की मांग की है। देवांगन ने कहा कि ऐसे अपराधी समाज के लिए कलंक हैं। सरकार को इस मामले में ऐसी ठोस और कठोर कार्रवाई करनी चाहिए, जो एक नजीर बने। ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति किसी बेटी के साथ अन्याय करने की सोच भी न कर सके। उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं, बल्कि अपराधियों को ऐसी सज़ा मिलनी चाहिए, जो पूरे समाज को स्पष्ट संदेश दे कि बेटियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। पूर्व विधायक ने सरकार से मांग की कि इस जघन्य हत्याकांड में त्वरित न्याय सुनिश्चित कर राज्य में कानून का भय स्थापित किया जाए, ताकि जनता का भरोसा मजबूत हो और अपराधियों का मनोबल पूरी तरह टूटे।

प्रेम प्रसंग बना हत्या की वजह नवागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पीपरा और बरगांव के बीच खेत में युवती पूजा महंत (21) का अर्धनग्न अवस्था में कीचड़ से सना शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि युवती के प्रेमी प्रवीण प्रकाश चंद्रा (28) ने शक और गुस्से में आकर खेत में उसका सिर कीचड़ में दबाकर हत्या कर दी। पुलिस को तड़के सुबह के सीसीटीवी फुटेज मिले, जिसमें युवती को फोन पर बात करते हुए और आरोपी की गतिविधियां कैमरे में कैद हुई। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान की।

पटना से गिरफ्तारी, तीन आरोपी जेल भेजे गए

मुख्य आरोपी प्रवीण प्रकाश चंद्रा को पटना से गिरफ्तार किया गया। वहीं उसे फरार कराने में सहयोग करने वाले उसके भाई लव प्रकाश चंद्रा और दोस्त केशव चंद्रा को भी गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस ने मृतिका का मोबाइल, कपड़े और मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण :सपनों को मिली छत

जांजगीर-चांपा। जिले जांजगीर-चांपा के ग्राम पंचायत अवरीद, जनपद पंचायत नवागढ़ के निवासी हितग्राही नकुल धीवर के लिए अपना पक्का घर कभी एक दूर का सपना हुआ करता था। कच्चे मकान की कमजोर दीवारें, बरसात में टपकती छत और हर मौसम के साथ बढ़ती परेशानियाँ यही उनका रोज़मर्रा था। सीमित आमदनी में परिवार की सुरक्षा और सम्मान दोनों की चिंता रहती थी। लेकिन समय बदला, जब प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने उनके जीवन में उम्मीद की नई किरण जगाई। योजना के अंतर्गत 1.20 लाख रुपये की स्वीकृत राशि मिली और उसी के साथ शुरू हुई एक नई यात्रा अपने सपनों के पक्के घर की। ईंट-सीमेंट से बनती दीवारों के साथ-साथ नकुल धीवर का आत्मविश्वास भी मजबूत होता गया। आज जब उनका पक्का मकान तैयार होकर खड़ा है, तो यह सिर्फ चार दीवारें नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और स्थिर भविष्य का प्रतीक है। बरसात की बूंदें अब चिंता नहीं बनतीं, गर्मी-ठंड का डर पीछे छूट चुका है। बच्चों की पढ़ाई के लिए सुरक्षित माहौल है ।

धान खरीदी के भ्रामक आंकड़े प्रस्तुत न करे विपक्ष: पांडेय

जांजगीर-चांपा। जंजगीर-चांपा जिले में धान खरीदी के विषय में भ्रामक आंकड़े प्रस्तुत न करें विपक्ष, विष्णुदेव साय की सुशाशन की सरकार अपने वादों पर शत प्रतिशत खरा उतरेगी। उक्त बातें किसानों के धान खरीदी के मुद्दे पर

कांग्रेसजनों के द्वारा अनुविभागीय कार्यालयों के घेराव पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश प्रवक्ता भाजपा किसान मोर्चा इंजी. रवि पांडेय ने कही। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए धरना देना आंदोलन करना अच्छी बात है पर 20 प्रतिशत किसानों का धान नहीं बेचने जैसे भ्रामक आकड़े प्रस्तुत कर लोगों को भ्रमित करना ठीक नही। इंजी. पाण्डेय ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में जिले मे पंजीकृत 1,26,949 किसानों मे से 1,19,517 किसानों ने यानी 94 प्रतिशत ने अपना धान बेचा था। वर्तमान विपणन वर्ष 2025-26 में पंजीकृत 1,26,043 किसानों मे से 1,11,517 किसान अर्थात 93 प्रतिशत किसान अपना धान बेच चुके हैं और अभी 4 दिनों का समय सीमा बाकी है। जिले में जारी 1,27,303 टोंकन में 6,16,376 मिट्रिक टन धान की खरीदी होनी थी जिसमे से 6,05,318 मिट्रिक टन धान यानी 98त्न धान जारी टोकन में से खरीदी हो चुकी है।

चांपा के गेमन पुल से नदी में कूदकर युवक ने दी जान

चांपा। चांपा स्थित गेमन पुल पर अपनी स्कूटी पूल में खड़ी कर, हैलमेट व बैंग रखकर एक युवक पुल से नीचे नदी में कूद गया। जिससे आए गंभीर चोट से युवक की मौत हो गई। घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक स्कूटर क्रमांक सीजी 10 एई-1402 में सवार होकर एक युवक 29 जनवरी को शाम करीब 4 बजे हसदेव नदी में बने पूल में पहुंचा। पूल में अपना स्कूटर खड़ा कर दिया। स्कूटर के उपर अपने काले रंग का बैग व हैलमेटर रखकर नदी की ओर देखने लगा। इसके पहले वहां से गुजर रहें लोग कुछ समझ पाते, युवक पुल के गेलरी में चढ़ गया और नदी में छलांग लगा दी। नदी से युवक को बाहर निकाला गया। तब तक उसी मौत हो चुकी थी। शव को बीडीएम हॉस्पिटल में शवेगृह में रखा गया है। युवक के पास से मिले परिचय पत्र के आधार पर पुलिस के द्वारा युवक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजनों के आने का. इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद ही पता चल पाएगा कि युवक ने आखिरकार ऐसा कदम क्यों उठाया।

मरवाही का रहने वाला था युवक-युवक की शिनाख्त मरवाही निवासी के रूप में हुई है। उसके बैंक में परिचय पत्र से मारवाहीं का पता लिखा हुआ है। पुरानी बस्ती वार्ड नंम्बर 8 मरवाही जिला बिलासपुर का रहने वाला है। परिचय पत्र में उसको नाम 38 वर्षीय पंकज नहरेल पिता प्रताप सिंह नब्रेल लिखा हुआ है।

शिक्षिका अंजुम को मिला सम्मान

चांपा। शिक्षा के क्षेत्र में सतत नवाचार, विशेष रूप से विज्ञान शिक्षण को सरल, रोचक एवं व्यवहारिक बनाने, सामाजिक सरोकारों तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति उल्लेखनीय योगदान के लिए श्रीमती रजिया अंजुम शेख, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कुरदा चांपा को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान शिक्षा सागर फाउंडेशन एवं पारिवारिक वानिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हरित योद्धा सम्मान समारोह एवं राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षक सम्मान समारोह के अवसर पर प्रदान किया गया। इस गरिमामयी समारोह का आयोजन कोटा (राजस्थान) एवं भरतपुर क्षेत्र में किया गया, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से पधारे शिक्षाविदों, विज्ञान शिक्षकों, समाजसेवियों, पर्यावरणविदों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। समारोह में श्रीमती रजिया अंजुम को विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारी, प्रयोगात्मक एवं जनहितकारी कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

सखी निवास के संचालन हेतु संविदा स्वीकृत पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन 31 तक

जांजगीर-चांपा। भारत सरकार ने एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं के सुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण हेतु एक अम्ब्रेला योजना मिशन शक्ति की शुरुआत की है। बताया कि मिशन शक्ति के अंतर्गत सखी निवास के दिशा निर्देशों के अनुसार जिले में स्वीकृत संविदा पद की पूर्ति हेतु https://sakhiniwas.e-bharti.in/janjgir-champa पर आमंत्रित किया गया था। अब 31 जनवरी 2026 तक आवेदन आमंत्रित किया गया है।

न्यायालय-व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी बैकुण्ठपुर के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश जिला-कोरिया (छ.ग.)

// आम ईश्तहार/नोटिस//

व्यवहार वाद क्र.-134अ/2025
दिनांक 28.01.2026

01. लाल बहादुर तिवारी आ. स्व. श्री अविनाश चन्द्र तिवारी,उम्र 70 वर्ष जाति ब्राम्हण, सा.ग्राम केशगवां, तह.सोनहत, जिला-कोरिया छ.ग. ....वादी

प्रति

01. सर्व साधारण।
02. छत्तीसगढ़ शासन, द्वारा कलेक्टर कोरिया, जिला-कोरिया छ.ग.। ....प्रतिवादी

विषय - दैनिक समाचार में प्रकाशन बाबत्।

वादी ने उक्त वाद आपके विरूद्ध पेश कर ग्राम केशगवां, प.ह.नं.10, रा.नि.मं. सोनहत, तहसील-सोनहत, जिला-कोरिया छ.ग. स्थित भूमि खसरा क्र. 359, रकबा 0.2600 हे. भूमि जो रामरतन आ. देवशरण कोईर के नाम पर दर्ज है का स्वत्वाधिकारी घोषित किए जाने हेतु एवं वादभूमि से संबंधित राजस्व प्रपत्रों से रामरतन आ. देवशरण कोईर का नाम विलोपित कर वादी का दर्ज करने का आदेश पारित किए जाने का वाद पेश किया है।

अतः उक्त प्रकरण के विषय से संबंद्ध में अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए इस न्यायालय के समक्ष दिनांक 06.02.2026 को दिन में 11.00 बजे हाजिर हो। उपरोक्त दिनांक को आप स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण की पैरवी हेतु उपस्थित हो यदि पेश के नियत दिनांक को कोई आकस्मिक अवकाश होने की दशा में आगामी दिनांक को न्यायालय खुलने पर उपस्थित हों। आपकी अनुपस्थिति कि दशा में आपके विरूद्ध एकपक्षीय विचारण किया जायेगा।

यह आज तारीख 06.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर गई।

(धारिणी राणा)
व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी बैकुण्ठपुर के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.)
सील

नोटिस

प्रकरण क्रमांक- DC/383/CC/157/25
पेशी तारीख : 20.02.2026

श्रीमती अंजू मालवीय ....परिवादिनी
विरूद्ध
हनुमत बिल्डर्स एंड डेवलेपर्स प्रायवेट लिमि. .... विरोधी पक्षकार

प्रति,
हनुमत बिल्डर्स एंड डेवलेपर्स प्राय. लिमि. प्रो., वास्ते मुकेश सिंह उम्र 36 वर्ष पिता - स्व. दिनेश सिंह निवासी- मकान क्र. 456 गली नं. 02 बालाजी नमकीन के पास तुलसी मार्ग कोरबा जिला कोरबा (छ.ग.)

परिवादिनी द्वारा आप विरोधी पक्षकार के विरूद्ध उसे प्रदत्त सेवाओं के संबंध में व्यवसायिक कदाचरण अपनाये जाने संबंधी शिकायत प्रस्तुत किया है। आपको इस आयोग में दिनांक 20.02.2026 को दिन में 11 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समंस किया जाता है। आप आयोग में स्वयं या किसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो, जो ऐसे सभी प्रश्नों का उत्तर दे सके। आयोग में उपसंजाती के लिए जो दिन नियत किया गया है, वह इस वाद के अंतिम निपटारे के लिए नियत दिन है, इसलिए आपको इस दिन अपने सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिए तैयार रहना चाहिए। जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिए निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताये गये तारीख को इस आयोग में उपसंजात नहीं होंगे तो आपके वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

आज तारीख 20.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर और आयोग की मोहर लगाकर दिया गया।

अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, कोरबा (छ.ग.)
सील

धान खरीदी कार्य में अनियमितता पाये जाने पर केंद्र प्रभारी व कंप्यूटर ऑपरेटर कार्य से पृथक

जांजगीर-चांपा। प्राधिकृत अधिकारी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित चोरभट्टी द्वारा धान खरीदी कार्य में अनियमितताओं को लेकर धान उपार्जन केंद्र खपरी के प्रभारी एवं संबंधित कर्मचारियों को खरीदी कार्य से पृथक किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पामगढ़ के निरीक्षण के दौरान उपार्जन केन्द्र में धान के रख रखाव में लापरवाही एवं भौतिक सत्यापन में मोटा धान 801 बोरी कम तथा सरना धान 1106 बोरी अधिक पाये जाने पर धान खरीदी कार्य में लापरवाही एवं अनियमितता का लेख करते हुए धान उपार्जन केन्द्र खपरी के प्रभारी श्री रविन्द्र कुमार यादव तथा कम्प्युटर आपरेटर प्रदीप कुमार यादव एवं नर्मदा साहू को धान खरीदी कार्य से पृथक कर दिया गया।

पोराबाई कांड : टॉपर छात्रा व केंद्राध्यक्ष समेत चार को 5-5 साल की सजा

17 साल पहले 12वीं की बोर्ड परीक्षा में हुआ था फर्जीवाड़ा

जांजगीर-चांपा। बहुचर्चित पोराबाई नकल प्रकरण में 17 साल बाद कोर्ट ने आरोपियों को सजा सुनाई है। द्वितीय अपर सत्र न्यायालय ने मामले में दंडादेश जारी किया है। छात्रा पोरा बाई के साथ स्कूल के प्राचार्य और केंद्राध्यक्ष सहित 4 लोगों को 5-5 साल कठोर कावास और 5-5 हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया गया है।

जांजगीर चाम्पा जिला में वर्ष 2008 में बारहवीं की परीक्षा में प्रदेश में बिर्रा की छात्रा पोराबाई ने टॉप किया था। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित परीक्षा में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा में पोराबाई शामिल हुई थी। रिजल्ट आया तो पोराबाई स्टेट टॉपर बन गई। पोराबाई के स्टेट टॉपर होने पर संदेह होने के कारण माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा उसको उत्तरपुस्तिकाओं की जांच कराई गई। जांच में पोराबाई को उत्तर पुस्तिकाओं और दस्तावेजों में गड़बड़ी पाई गई। पोराबाई सहित 9 लोगों के खिलाफ बम्हनीडोह थाना में एफ आई आर दर्ज कराया गया। बम्हनीडीह पुलिस ने धारा 420, 467, 468, 471, 120 बी और परीक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी चाम्पा के समक्ष चालान पेश किया, जहां से साल 2020 में सभी को दोष मुक्त कर दिया गया था। शासन ने इस मामले की अपील की और द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश गणेश राम पटेल ने मामले मे 29 जनवरी को अहम फैसला सुनाया।

इन्हें पाया गया दोषी-छात्रा पोरा बाई, केंद्राध्यक्ष फूल साय वृसिंह, प्राचार्य एस एल जाटव और दीपक जाटव को दस्तावेज मे हेराफेरी और गड़बड़ी करने के मामले में दोषी पाया। ज्यायाधीश ने पेराबाई, फूलसाय नृसिंह, एस एल जाटव और दीपक जाटव को धारा 420, 467, 468, 471, 120बी के लिए पांच-पांच वर्ष कठोर कारावास और पांच-पांच हजार रुपए अर्थदण्ड से दंडित किया है।

कोर्ट की ऐसी टिप्पणी-इस मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा है कि आरोपियों ने माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर के विरुद्ध ही अपराध कारित नहीं किया है. बल्कि उन छात्रों के खिलाफ भी अपराध किया है. जो अपने भविष्य के लिए कड़ी नेहनत करते हैं।

सभापति के नेतृत्व में वित्त मंत्री को रेस्ट हाउस निर्माण के लिए सौंपा गया मांगपत्र

राहौद । प्रदेश के वित्त मंत्री आरोपी चौधरी को खरौद के शासकीय लक्ष्मणेश्वर स्नाकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित हीरक जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान नगर पंचायत राहौद के सभापति अमित कुमार अनंत व नपं के पार्षद नेहा श्रवण अग्रवाल, सुमित कुमार कश्यप, नरसिंह गोंड, परम कुर्रे ,नेता प्रतिपक्ष, कुसुम केवट, अवंतिका गुप्ता, भवानी शंकर चंदेल, किर्ति सोनी, योगेश कुमार देवांगन, सावित्री सोनी, इंदू मनहर ने नगर में शासकीय रेस्ट हाउस (विश्राम गृह) निर्माण के लिए मांग पत्र सौंपा है। सभापति ने सौंपे गए पत्र में कहा है. कि नपं राहौद जिले का एक महत्वपूर्ण नगरीय क्षेत्र है। राहौद बिलासपुर - शिवरीनारायण मुख्य मार्ग पर स्थित है, जो व्यावसायिक केंद्र के रुप में विकसित हों रही है। विश्राम गृह के अभाव में ठहराव नहीं हो पाता है। वहीं विभिन्न विभागों के शासकीय कर्मचारी, निरीक्षण दल, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, व दूर दराज से आने वाले नागरिक शासकीय कार्यों के लिए आते हैं, किंतु नगर में कोई भी शासकीय रेस्ट हाउस नहीं है।

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
HASDEO BARRAGE W/M DIVISION, RAMPUR/KORBA (C.G.)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

CORRIGENDUM NO.1

Tender inviting by this office NIT No. 12/SAC/2025 Dated 12.01.2026 system no 183640 (G No-G/252606009/5) Renovation of Inspection Bungalow at Darri/Korba. Probable Amount-69.46 Lakhs, details are as below :-

S.No.	Particular	Old Publish	Read As
1	schedule of quantities and construction program (S. No.7 unit)	sqm	Kg

All other terms and conditions of NIT will remain unchanged.

Executive Engineer
Hasdeo Barrage W/M Division
Rampur/Korba (C.G.)

G/252606344/5

जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल में मनाया 77 वां गणतंत्र दिवस

जांजगीर चांपा। हरिराम गट्टानी मेमोरियल जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल व चंदा गट्टानी पब्लिक स्कूल में 26 जनवरी 2026 को 77वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ । चंदा गट्टानी पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लायनेस अध्यक्ष श्रीमती सरिता शर्मा विद्यालय अध्यक्ष अशोक कुमार गट्टानी व प्रबंधक हर्षित गट्टानी ने ध्वजारोहण किया । तथा हरिराम गट्टानी मेमोरियल जयभारत इंग्लिश मीडियम स्कूल में विद्यालय के अध्यक्ष अशोक कुमार गट्टानी, संचालक अजय कुमार गट्टानी , विद्यालय प्राचार्या श्रीमती गुरमीत कौर धनजल मैम ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में लायनेस कोषाध्यक्ष नमिशा थवाईत ,उपाध्यक्ष कल्पना केशरवानी, सह कोषाध्यक्ष गंगा गट्टानी ,लायनेस मेंबर सुनीता गट्टानी, प्रभा साहू विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य हर्षिनी गट्टानी, कृष्णा गट्टानी , हर्ष गट्टानी भी उपस्थित थे। ध्वजारोहण और

परेड की सलामी के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई विद्यार्थियों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों के उद्घोष का नारा लगाया गया तत्पश्चात मां सरस्वती और स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव नहीं है, बल्कि आत्म मूल्यांकन का अवसर भी है गणतंत्र दिवस हमें एक जुट होने, देश के प्रति समर्पित रहने और बेहतर भारत के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देता है विद्यालय की प्राचार्या गुरमीत कौर धनजल मैम ने अपने संदेश में कहा कि हमें संविधान के आदर्शों पर चलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेना चाहिए। विद्यालय के अध्यक्ष अशोक कुमार गट्टानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम सब मिलकर इस गणतंत्र की रक्षा करें और इसे और मजबूत तथा समृद्ध बनाएं विद्यालय में रंगारंग सांस्कृतिक और देशभक्ति कार्यक्रम बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया । विद्यालय परिसर पूरा देशभक्ति से ओतप्रोत था।बच्चों की प्रतिभा का सम्मान करते हुए विद्यालय में *दसवीं इंडो नेपाल चैंपियनशिप 2026 में विद्यालयीन बच्चों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल प्राप्त किया उन्हें सम्मानित किया गया और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें सराहा गया।भविष्य में उनके निरंतर सफलता और अन्य उपलब्धियों की कामना की गई मिष्ठान वितरण के साथ विद्यालय प्राचार्य महोदया के मार्गदर्शन विद्यालय प्रबंधन के दिशानिर्देशन व शिक्षक शिक्षिकाओं के सहयोग से कार्यक्रम अनुशासित वातावरण में सम्पन्न हुआ।

धान नहीं बेच पाया...किसान ने कहा खुदकुशी कर रहा हूं

जांजगीर-चांपा। जिले में किसान ने टोकन नहीं मिलने और भारतमाला परियोजना के तहत जमीन का मुआवजा नहीं मिलने से सुसाइड की कोशिश की है। किसान ने वीडियो बनाया और कहा कि यहां किसान का कोई नहीं है, फिर उसने कीटनाशक पी लिया। मामला अकलतरा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित किसान का नाम अनुराग सिंह चंदेल (45) है। वह ग्राम सांकर का रहने वाला है। धान बेचने के लिए वह पिछले एक महीने से खरीदी केंद्र के चक्कर लगा रहा था, लेकिन उसका टोकन नहीं कट रहा था। इससे वह परेशान था। कीटनाशक पीने से पहले किसान से कहा कि मैं शासन-प्रशासन के रवैये से त्रस्त हूं। जिसके कारण में खुदकुशी करने जा रहा हूं।

अनमोल वचन......

कुछ लोग मरने से इतना डरते हैं कि वे कभी जीना ही नहीं चाहते।

साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद

राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता रही है। उससे चौड़ी होती गई खाई अब खुले विभाजन की वजह बन रही है। साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद भारतीय साहित्य में विभाजन की हद तक पहुंच गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सात भारतीय भाषाओं के लिए अलग से पुरस्कार शुरू करने का एलान कर दिया है। अपने इस कदम की वजहों को लेकर स्टालिन ने कोई लाग-लपेट नहीं बरता। बल्कि दो टूक कहा- 'कुछ दिन पहले विजेताओं की सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के दखल पर साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा रद्द कर दी गई। हमें नहीं मालूम कि अब ये घोषणा होगी भी या नहीं। कला और साहित्य में हस्तक्षेप खतरनाक है।'

स्टालिन ने कहा कि इस पर रचनात्मक प्रतिक्रिया दिखाते हुए प्रथम चरण में तमिलनाडु सरकार ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया, बांग्ला और मराठी भाषाओं के लिए हर साल सेमोझी साहित्य पुरस्कार देने का फैसला किया है। डीएमके 2.0 (यानी अगले विधानसभा चुनाव के बाद बनने वाली) सरकार इस पहल को मजबूत एवं विस्तृत करेगी। मतलब शायद यह कि पुरस्कार के दायरे में अन्य भाषाओं को भी लाया जाएगा। फिर भी, फिलहाल भाषाओं का जो चयन किया गया है, उसमें एक पैटर्न साफ दिखा है। इसमें हिंदी को अलग रखने का सियासी पैगाम साफ नजर आता है। यह तो खुद स्टालिन के बयान से स्पष्ट है कि इन पुरस्कारों का भविष्य अप्रैल- मई में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगा। इस रूप में ताजा एलान का चुनावी राजनीति से जुड़ाव भी साफ है।

बहरहाल, मुद्दा यही है कि राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि को राजनीति से जोड़ने की प्रवृति तेजी से बढ़ी है। परिणास्वरूप इन माध्यमों पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता है, यह तो काफी समय से जाहिर हो रहा था। अब खास बात यह हुई है कि वो बढ़ती खाई खुले विभाजन में तब्दील हो गई है। बेशक, ऐसी लामबंदी से साहित्य, कला, सिनेमा आदि के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता के लिए भी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। मगर आज की यही हकीकत है, जो अब अधिक चिंताजनक रूप ग्रहण कर रही है।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपका मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है, जिसे आप निराश नहीं करेंगे। आज आपको पिछले कुछ समय से किए गए प्रयासों का फल मिलने वाला है। आज आपको बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जायेगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनायेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी क्रिएटिव फील्ड मजबूत होगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस में लाभ पाने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके अंदर पॉजिटीविटी बनी रहेगी। आज आप जिस भी काम की शुरुआत करेंगे। वह समय से पूरा हो जायेगा। किसी नए रिश्ते की शुरुआत करने का मौका मिलने की संभावना है। साथ ही अपने नजदीकी रिश्तों को सुधारने में आपको सफलता मिलेगी।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप माता को कुछ गिफ्ट दे सकते है आपकी माता को खुशी होगी। आज आपको किसी भी व्यक्ति को उधार देने से बचना चाहिए, यह आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपका रुका हुआ काम पूरा होगा। आज आप बोलने के बजाए सुनने पर ज्यादा ध्यान दें। इससे आपको जरूरी बातें पता चल सकती हैं।

कन्या राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको दूरसंचार से शुभ सूचना मिलेगी, इससे आपके परिवार में खुशियों का माहौल बन जायेगा। बच्चों से आपको गुड न्यूज़ मिल सकती है। आर्टस के स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। उनके मन में आज नए विचार आयेंगे। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज अच्छी जॉब मिलेगी। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ख़ास काम बन जाने से आपका मनोबल बढ़ेगा। आज किसी भी प्रकार का इन्वेस्टमेंट करते समय बजट का ध्यान रखें। इस राशि के जो लोग जॉब करते हैं उनकी तरक्की के योग बन रहे हैं। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी काम में दूसरों की बातों को सर्वोपरि न रखकर अपने आप पर विश्वास करें तो लाभ अवश्य मिलेगा। किसी जरूरी काम में जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके घर रिश्तेदार आ सकते हैं, जिनसे मिलकर आपको काफी अच्छा लगेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग आपकी सहायता करेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपकी बनाई गयी योजना आपके बिजनेस के लिए अच्छी साबित होगी। आज कुछ बड़ा और अलग करने की सोच सकते है। इस राशि की महिलाओं का दिन व्यस्तता से भरा होगा, लेकिन शाम का समय अपनी फैमिली के साथ बिताएंगी। ऑफिस के उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा, बिगड़े काम भी बन जायेंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप पिछली गलतियों से कुछ नया सीखकर आगे बढ़ेंगे। आज आपका दिन कुछ महत्वपूर्ण कार्यों की वजह से व्यस्त रहेगा। नए कार्यों को लेकर आपकी उत्सुकता बढ़ेगी। आपको आज धैर्य से काम लेने की जरूरत है और इसका लाभ आप आने वाले समय में देखेंगे। आज आपको मनचाही वस्तु मिलेगी, जिससे आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। अपने कार्य व व्यवसाय के प्रति निष्ठावान रहें, जिससे सुख व संतोष की वृद्धि होगी।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके घर खास मेहमान आ सकते हैं, जिससे घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जाने का मन बनाएंगे। माताएं अपने बच्चों को कुछ अच्छा सुनाएंगी। आपकी भौतिक सुख सुविधाएँ बनी रहेगी। थोड़ा टाइम ईश्वर की भक्ति में लगायें, जिससे आपका मन शांत रहेगा।

गांधी गये नहीं, गांधी हमारे बीच हैं

//डॉ. सुधीर सक्सेना//

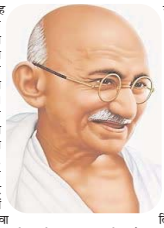

गांधी आज हमारे बीच नहीं हैं। गांधी का हमारे बीच न होना गांधी के होने की ज़रूरत है। उनकी अनुपस्थिति उनकी उपस्थिति की इंगिति है। उजाला हो तो उसकी क़ीमत का हमें पता नहीं चलता। अंधियारे में उजाले की ज़रूरत और अहमियत बढ़ जाती है। तमस में हम आलोक का स्मरण करते हैं और आवाहन भी। ये पंक्तियां भी उन्हें टेरने जैसी हैं, क्योंकि महात्मा गांधी विश्व इतिहास की ऐसी अपूर्व और अद्भुत शख़्सियत हैं। गांधी ऐसे अलीक योद्धा हैं, जो सदा लीक छोड़कर चले। बड़ी बात यह नहीं कि उन्होंने लीकें तोड़ीं, वरन् बड़ी बात यह कि उन्होंने नयी लीकें रचीं।

विश्व इतिहास की महान विभूतियों में गांधी वह व्यक्ति हैं, जिन्हें वर्गीकृत करना कठिन है। गांधी आज़ादी की लड़ाई के अपने पूर्ववर्ती समस्त रणबांकुरों से भिन्न हैं। वे भगवान बुद्ध के बाद इस भूखण्ड में पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने इस महादेश की आत्मा को पहचाना, समूचे देश को आलोड़ित किया और सारा देश इस फ़कीर के पीछे चल पड़ा। गांधी अपने आयुधों से विश्व की सबसे शक्तिशाली हुकूमत के ख़िलाफ़ जंग ही नहीं छेड़ते हैं, वरन् इस गौरवशाली अतीत के पददलित, शोषित और विपन्न महादेश के समक्ष नया सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक फलसफा भी प्रस्तुत करते हैं। गांधी चिन्तन को आचरण में ढालने का प्रतिमान है और अपने समकालीनों से आज़ादी की लंबी लड़ाई में हर कहीं कई कदम आगे नज़र आते हैं। उनके युवा अनुयायी भी उनके साथ कदमताल नहीं कर पाते। गांधी आजीवन अपना सलीब साथ लिए चलते नज़र आते हैं।

गांधी महान क्यों हैं। इसलिए कि उनसे घोर असहमति भी उन्हें खारिज नहीं कर सकती। इसलिए भी कि एक पंक्ति में उन्हें बयां नहीं किया जा सकता। वे गृहस्थ हैं, लेकिन वीत-रागी। कोई आश्चर्य नहीं यदि बापू को बचपन में राम का वनगमन और बुद्ध का गृहत्याग का प्रसंग झकझोरता रहा हो। उपवास, आश्रमों की स्थापना, शाकाहार, प्राकृतिक चिकित्सा के प्रयोग, पदयात्रा, सत्याग्रह, अहिंसा जहां उन्हें अनायास आर्ष ऋषियों, बौद्ध व जैन श्रमणों से जोड़ देती है, वहीं उनकी करुणा उन्हें प्रभु यीशु की सलीब के निकट ले जाकर खड़ा कर देती है। उनका फक्कड़पन कबीर और मंसूर की याद दिलाता है और सत्य के लिए उनका अदम्य आग्रह सुकरात का। आज़ादी की लड़ाई के अनेक प्रसंगों में वे हठयोगी नज़र आते हैं। बेशक वे निर्मोही हैं और उनका मोह किसी पार्थिव तत्व से नहीं है। उनका साध्य पवित्र है और साधन भी पूत। नौरोजी, तिलक और गोखले का चिन्तन उनमें एक साथ परिष्कार व उन्नयन पाता है। वे किसी की परवाह नहीं करते, किसी की कोई फ़िक्र नहीं, बेफ़िक्र-बेपरवाह, हद्द छोड़कर बेहद्द हुई शख़्सियत हैं गांधी। जेब में 'बार एट लॉ' की सनद, मगर पारम्परिक ढंग से वकालत नहीं। 'चौरी-चौरा' काण्ड हुआ कि सत्याग्रह स्थगित। सबका रोष सिर माथे, मगर टस से मस नहीं। अविचलित, निर्विकार। ब्रिटिश हुकूमत का दम्भ चूर-चूर करने के लिये वे अपने हाथों नमक का चूरा बनाते हैं। सनातनी समाज की कोपदृष्टि से बेख़बर वे अछूतोद्धार और अस्यपृश्यता उन्मूलन का अभियान छेड़ देते हैं। लिवरपूल की मिलों के करघे रोकने के लिए वे चरखा कातते हैं। देखते-देखते खादी राष्ट्र की पोशाक बन जाती है। उन्हें गूंगी या विदेशी जुबान में आज़ादी नहीं चाहिए। उनकी आज़ादी की लड़ाई हिन्दी की लड़ाई भी है। आज़ादी के मौके पर जब बीबीसी संवाददाता साक्षात्कार के लिए आता है, बापू कहते हैं- 'जाओ, दुनिया से कह दो गांधी अंग्रेजी भूल गया।' उनके सोच के फलक में हर कोई है। ब्राह्मण भी, दलित भी, हिन्दू भी, मुसलमान भी, शिक्षा भी, सेवा भी, दस्तकार, मेहतर हर कोई उनकी चिन्ता के दायरे में है। अल्बर्ट आइंस्टाइन सच कहते हैं- 'आने वाली सदियां इस बात पर शायद ही यक़ीन करें कि इस धरती पर हाड़मांस का ऐसा भी कोई आदमी हुआ था।'

गांधी सत्यनिष्ठ योद्धा हैं। वे सत्य की लाठी से धरती को मुक्ति की ओर ठेलने का उपक्रम करते हैं। ज्ञात इतिहास में गांधी बिरले हैं कि वे 'ईश्वर सत्य है' कहने के बजाय 'सत्य ही ईश्वर है' कहते हैं। ये बात वे बार-बार दोहराते हैं। उनका सत्य को ईश्वर निरूपित करना, गहरी साधना या तप से जीवन और जगत के 'सत्य' को पा लेना है। उनका यह 'बोध' आजीवन कायम रहता है, सत्यनिष्ठा से वह कभी या कतई डिगते नहीं। एक नहीं छह बार उनके प्राण लेने की चेष्टा होती है, लेकिन वे न कभी विचलित होते हैं, न भयभीत और न ही सशंकित। वे अडिग रहते हैं। सत्यनिष्ठा उनकी शक्ति है, अपरिमित शक्ति। गांधी को गरियाने वाले अज्ञानी, दंभी और कुचक्री लोग गांधी और राम के रिश्ते को नहीं जानते। गांधी का राम नाम से अटूट रिश्ता रहा। राम नाम का मंत्र उन्हें बचपन में उनकी धाय रंभा से मिला था। इस मंत्र से वह निर्भय हुए। गांधी ने स्वयं कहा, 'इस राम नाम ने जीवन के अंधकारमय समयों में सूर्य के प्रकाश-सा काम किया है। विश्व में किसी के मुख से प्राण त्यागते समय 'हे, राम' नहीं निकला। मेरे जाने गांधी से बड़ा रामभक्त कोई दूजा न हुआ। गांधी कबीर के बाद के कबीर हैं, बीसवीं सदी के बलिदानी कबीर। कबीर राम की 'बहुरिया' हैं, और 'कूता' (कुत्ता) भी। लेकिन कबीर का राम दशरथनंदन राम नहीं है। वह घट-घट में व्याप्त, अणु-अणु में व्याप्त, ज़र्रे-ज़र्रे में व्याप्त, जड़-चेतन में व्याप्त अविनाशी राम है। बापू कहते हैं-'मेरे लिए राम नाम ने जो काम किया, वही काम एक ईसाई के लिए यीशु का नाम कर सकता है। वैसा ही असर किसी मुसलमान पर अल्लाह के नाम का हो सकता है...। पर सिर्फ़ नाम रटना पर्याप्त नहीं है। हमारे रोम-रोम में यह नाम बस जाना चाहिए। 30 जनवरी, 1948 तो बहुत बाद की घटना है। गांधी के जीवन के गलियारे में पीछे चलें। चालीस साल पीछे। सन् 1908। तारीख 10 फरवरी। स्थान जोहानिसबर्ग। गांधीजी पंजीकरण के लिए जा रहे थे कि मीर आलम नामक क्षुब्ध भारतीय ने उनका रास्ता रोक लिया। पूछने पर गांधी ने कहा- 'तुम भी चलो। पहले तुम्हारा करवाऊंगा, फिर अपना।' बात पूरी भी न हुई थी कि सिर पर जोरों का डंडा पड़ा। मुख से निकला- 'हे राम।' वे अचेत होकर गिर पड़े। गांधी और साथियों की तब तक पिटाई हुई, जब मीर और साथियों को लगा कि गांधी मर गये।

बरसों बाद। 20 जनवरी, 1948। स्थान दिल्ली। बिड़ला भवन में मदनलाल पाहवा ने धमाका किया। मगर गांधी जी बच गये। लेडी माउन्टबेटन ने इस बहादुरी के लिए बापू की प्रशंसा की, तो उन्होंने कहा- 'यह बहादुरी नहीं थी। मुझे कहां पता था कि कोई जानलेवा हमला होने को है। बहादुरी तो तब कहलायेगी, जब कोई सामने से गोली मारे और फिर भी मेरे मुख पर मुस्कान हो, मुंह में राम का नाम हो।' पाहवा को दोष दिये बिना उन्होंने कहा कि उसने यह मान लिया कि मैं हिन्दू धर्म का दुश्मन हूं। वह कह रहा है कि उसने यह काम भगवान के नाम पर किया। तब तो उसने भगवान को भी अपने दुष्कर्म में भागीदार बना लिया है। पर ऐसा तो हो नहीं सकता। इसलिए जो कुछ उसके पीछे या जिन्होंने उसे हथियार बनाया है, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि ऐसा सब करने से हिन्दू धर्म बच नहीं सकता। इसके बाद सीधे आयें 30 जनवरी की घटना पर। कुमार प्रशांत के शब्दों में, 'दस दिन पहले जहां मदनलाल पाहवा विफल हुआ था, दस दिन बाद वहीं नाथूराम गोडसे सफल हुआ।

महात्मा की हत्या के प्रयासों को समेटे जो नाटक चालीस साल खेला गया और 30 जनवरी, 48 को जिसका पटाक्षेप शोकांतिका में हुआ, वह नाटक छह अंकी था। यह प्रश्न अनुत्तरित नहीं है कि उसकी 'स्क्रिप्ट' किसने लिखी। सारी दुनिया पटकथा लेखक के नामधाम, कुल-गोत्र और उनके कुनबे को जानती है। दूसरे गोलमेज सम्मेलन के दौरान लंदन के बिशप बापू से मिलते हैं। कहते हैं- 'प्रभु यीशु ने कहा है कि अपने दुश्मन से भी प्यार करो। आपका क्या कहना है।' चरखा कातने में निमग्न गांधीजी कहते हैं- 'मेरा तो कोई दुश्मन ही नहीं है।'बिशप अवाक। बिशप ही क्यों। गांधी के सम्मुख इकबारगी विश्व अवाक् रह जाता है। गांधी का वर्गीकरण मुमकिन नहीं। वह किसी खाने में नहीं अंटते। और जिस खाने में वह खड़े होते हैं, वहां कोई और नहीं ठहरता। साउथ अफ्रीका का कार्यवाहक पीएम अटार्नी जनरल हैरी एस्कॉब उन्हें पसंद नहीं करता, मगर उसकी लाचारी कि वही गांधी उसके काम आते हैं। डरबन का पुलिस सुपरिटेंडेंट अलेक्जेंडर गांधी और भारतीयों का घोर विरोधी है, मगर गांधी 'कुली' से साबका पड़ता है, तो वह बदल जाता है। और तो और उसकी पत्नी ज़ेन अलेक्जेंडर गांधी की प्राणरक्षा करती है। अकारण नहीं कि गांधी की जान का गाहक मीर आलम उनका पक्का सिपाही बन जाता है और सन् 1914 में गांधी को जानलेवा हमले से बचाता है। यह गांधी का ही बूता है कि वे शहीद सुहरावर्दी जैसे मजहबी और लीगी नेता को अपना बगलगीर बना लेते हैं। जनरल स्मट्स का किस्सा सर्वज्ञात है। गांधी और स्मट्स के बीच जंग लंबी चलती है। गांधीजी कारावास में स्मट्स के पांवों की नाप की चप्पल बनाकर उन्हें भेंट करते हैं। बापू के 70वें जन्मदिन पर स्मट्स कहते हैं- 'जब से मुझे यह चप्पल मिली है, मैंने इसे कई बार पहना है। पर हर बार मैंने यह महसूस किया है कि ऐसे महान व्यक्ति द्वारा बनायी गयी इन चप्पलों में पांव डालने लायक मैं नहीं हूं। ऐसे थे गांधी। 'थे' नहीं, ऐसे हैं गांधी। सहस्राब्दी की शख़्सियत। या कि इतिहास का विरल व्यक्तित्व। दक्षिण अफ्रीका में उनके नेतृत्व में नौ साल चले सत्याग्रह में छह हज़ार लोग जेल गये थे। यह एक नया प्रयोग था। सर्वथा नूतन। और अनूठा। संचार क्रांति बाद में हुई, मगर इस कृशकाय व्यक्तित्व के कार्यों का परिमल संपूर्ण विश्व में फैल जाता है। वह प्रेरणा देता है। नेल्सन मंडेला। मार्टिन ल्यूथर किंग। सू की...। आइंस्टाइन उन्हें अमेरिका आमंत्रित करते हैं। आइंस्टाइन जैसी शख़्सियत की मेजबानी। बापू विनम्रतापूर्वक मना कर देते हैं। कहते हैं कि मेरे पास अमेरिका को देने लायक कुछ नहीं है। इतिहास की दीवार पर लिखी यह इबारत अमिट है। गांधी थे नहीं, गांधी हैं। गांधी रहेंगे। गांधी ने कभी किसी से घृणा नहीं की, लेकिन उनसे घृणा में जी रहे वधिक वृत्ति के उनके बैरी जानते हैं कि गांधी का जीवित रहना उनके लिए कितना घातक है। उनकी फ़िक्र यही है कि गांधी को मारने के बाद गांधी की आत्मा को कैसे मारा जाए। हर ईसा और हर गांधी अपनी सलीब अपने कांधे लेकर चलता है। परंतु यह तो सोचिये कि उनकी हत्या का 'लाइसेंस' उन्हें कौन देता है, जबकि हत्यारों का ईश्वरीय या रामराज्य से कहीं कोई वास्ता नहीं होता।

बिना रुकावट के शासनः बुनियादी ढांचे के लिए भारत की संस्थागत संरचना

//अरिहन्त कुमार//

आज़ादी के बाद से, बुनियादी ढांचे ने भारत की प्रगति की सोच को आकार दिया है। कल्पना साफ़ थी: रेलवे दूर-दराज के इलाकों को जोड़ेगी, राजमार्ग राज्यों के बीच व्यापार करेंगे, बांध ऊर्जा और सिंचाई का आधार बनेंगे, और बिजली की लाइनें सबसे दूर के गांवों तक रोशनी पहुंचाएंगी। जैसे-जैसे प्रोजेक्ट बड़े होते गए, वे और भी उलझते गए। ज़मीन मंजूरी का इंतज़ार करती रही, मंजूरी डिज़ाइनों का इंतज़ार करती रहीं, डिज़ाइन उपयोग बदलने का इंतज़ार करते रहे, और इसके लाभ दूसरे कार्यालय, दूसरे अधिकार क्षेत्र, दूसरी फ़ाइल में दबी मंज़ूरियों का इंतज़ार करती रहीं।

हर देरी का एक कारण था, हर कारण का कोई जिम्मेदार था, और फिर भी कोई भी असल में नतीजे की ज़िम्मेदारी नहीं लेता था। सालों तक, अनेक परियोजनाएं टुकड़ों-टुकड़ों में चलती रही, जिनकी समीक्षा अलग-अलग की गई, बाद में सफाई दी गई, और हमेशा के लिए देरी होती रही। जब तरक्की रुकी, तो ज़िम्मेदारी प्रक्रिया में घुल गई। हर जगह हलचल थी, लेकिन कहीं भी गति नहीं थी।जिस चीज़ की कमी थी, वह इरादा या निवेश नहीं था, बल्कि एक ऐसा फोरम था जहाँ आपस में जुड़ी हुई रुकावटों को एक साथ देखा जा सके, एक साथ सुलझाया जा सके और उन्हें खत्म किया जा सके। प्रोजेक्ट गवर्नेंस में इसी शांत लेकिन महत्वपूर्ण कमी को प्रगति के नेतृत्व वाले इकोसिस्टम ने भरने का बीड़ा उठाया।प्रगति, समीक्षा की एक नई परत के रूप में नहीं आई, बल्कि एक ऐसे जंक्शन के रूप में आई जहाँ समानांतर ट्रैक आखिरकार मिले। इसकी कल्पना 2015 में की गई, यह देखने में एक आसान सा विचार थाः कि निगरानी से फैसले होने चाहिए, और फैसलों का नतीजा डिलीवरी होना चाहिए। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में, यह केन्द्रीय सचिवों और राज्य के मुख्य सचिवों को एक साथ लाया, और उन लोगों को एक साथ जोड़ा जिनके पास राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं और उनकी रुकावटों के बारे में एक ही, साझा नज़रिए के साथ काम करने की शक्ति थी। उस कमरे में, देरी अब भाषा के पीछे छिप नहीं सकती थी। विशेष उपलब्धियों की जांच की गई, मुद्दों को सामने लाया गया, और सीधे सवाल पूछे गए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज़िम्मेदारी का एक नाम, एक निर्धारित समय और वापस आने की तारीख तय की गई।फिर भी, प्रगति की असली कहानी सिर्फ़ इन उच्चस्तरीय समीक्षाओं के दौरान सामने नहीं आती। यह उस शांत, लगातार चल रहे काम में ज़िंदा रहती है जो इनसे पहले और बाद में होता है। यह तैयारी का अनुशासन, संस्थागत स्मृति और फॉलो-थ्रु प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) द्वारा प्रदान किया जाता है, जो इस ईकोसिस्टम परिचालन की रीढ़ है। मैंने पीएमजी को उस तरह से बढ़ते देखा है जैसे संस्थाएं शायद ही कभी बढ़ती हैं, धैर्य और उद्देश्य के साथ। जो एक साधारण डिजिटल इंटरफ़ेस के रूप में शुरू हुआ था, वह एक परिपक्व, टेक्नोलॉजी-संचालित, उपलब्धियों पर आधारित निगरानी प्लेटफ़ॉर्म में विकसित हो गया है जिसने भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर नजर रखने और समाधान का तरीका बदल दिया है। इस वास्तुकला के भीतर, पीएमजी समेकन और विश्लेषण के पहले बिंदु के रूप में कार्य करता है, जो प्रहरी और संचारक दोनों के रूप में काम करता है। टीम परियोजनाओं पर बारीकी से नजर रखती है, ज़मीनी हकीकत सुनती है, दावों को प्रमाणित करती है, और जटिल इनपुट को प्रगति के तहत उच्च-स्तरीय समीक्षाओं के लिए संरचित जानकारियों में बदलती है। जो जानकारी पहले फ़ाइलों, पत्राचार और समय-समय पर होने वाली समीक्षाओं में बिखरी रहती थी, वह अब एक ही डिजिटल सिस्टम में समेकित हो गई है, जिसमें प्रगति, लागत, समय-सीमा, उपलब्धि और ज़मीन से मिली तस्वीरों के सबूतों पर वास्तविक समय के आंकड़े शामिल है। आज, कैबिनेट द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट मंज़ूरी के कुछ ही दिनों के भीतर सिस्टम में आ जाते हैं, उनकी यात्रा लगातार डेटा प्रवाह के माध्यम से मैप की जाती है जिससे पिछली रिपोर्टिंग के बजाय मौजूदा वास्तविकताओं के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं।इस प्लेटफॉर्म की सबसे खास बात इसकी ढांचागत परियोजना और इश्यू ट्रैकिंग फ्रेमवर्क है। कार्यान्वयन में आने वाली रुकावटें अब चिट्ठियों या अटैचमेंट में छिपी नहीं रहतीं; उन्हें औपचारिक तौर पर लॉग किया जाता है, टाइम-स्टैम्प किया जाता है, और संबंधित साझेदार को समाधान के लिए तय टाइमलाइन के साथ साफ तौर पर जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इसमें शुरू से ही पारदर्शिता शामिल है। केन्द्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें, जिला प्रशासन और परियोजना चलाने वाले सभी एक ही जानकारी एक साथ देखते हैं, टिप्पणियां दे सकते हैं, अपडेट अपलोड कर सकते हैं और काम पूरा होने तक प्रगति पर निगरानी रख कर सकते हैं।यह साझा विजिबिलिटी जवाबदेही को पूरी तरह से बदल देती है। रोल-बेस्ड डैशबोर्ड पर्सनलाइज्ड व्यू देते हैं, जिससे सीनियर लीडरशिप से लेकर जिला प्रशासन तक के अधिकारी यह देख पाते हैं कि उनके अधिकार क्षेत्र में किस चीज़ पर ध्यान देने की ज़रूरत है। ऑटोमेटेड अलर्ट, रिमाइंडर और कम्प्लायंस ट्रैकिंग यह पक्का करते हैं कि मुद्दे समय के साथ खत्म न हों, बल्कि समाधान होने तक बार-बार सामने आते रहें। मीटिंग के एजेंडा, मिनट्स और समीक्षा दस्तावेज सीधे डेटा से जेनरेट होते हैं, जिससे रूटीन रिपोर्टिंग का काम कम होता है और फैसले लेने पर फोकस बढ़ता है।

नतीजतन, ज़्यादातर मुद्दे इस टेक्नोलॉजी-सक्षम समन्वय के ज़रिए चुपचाप हल हो जाते हैं, जबकि ज़्यादा जटिल, अंतर-मंत्रालयी रुकावटों को एक कैलिब्रेटेड फ्रेमवर्क के ज़रिए टॉप प्लेटफॉर्म तक पहुंचाया जाता है। यह वृद्धि नाटकीय नहीं होती; यह सोच समझकर की जाती है। इस तरह, पीएमजी को केंद्र में रखकर बनाया गया यह प्रगति इकोसिस्टम, टेक्नोलॉजी और गवर्नेंस को जोड़ता है, डेटा को फैसलों में और फैसलों को डिलीवरी में बदलता है। इस सिस्टम में, काम पूरा होना सिर्फ एक उम्मीद नहीं है, बल्कि एक अपेक्षा है।

तस्वीरों की दुनिया

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान संसद के बजट सत्र के दौरान नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में।

नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और अन्य।

नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज।

नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव और अन्य।

नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सांसद कंगना रनौत।

अनंतनाग जिले के पहलगाम इलाके में बर्फ से ढकी बेताब घाटी का एक दृश्य।

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में जोरदार धमाका घरों के दरवाजे व शीशे हिले, दहशत में लोग

फतेहगढ़ साहिब, 30 जनवरी [एजेंसी]।

फतेहगढ़ साहिब में गुरुवार रात करीब 8.55 बजे एक तेज धमाके की आवाज सुनाई दी, जिससे घरों के शीशे और दरवाजे हिल गए। लोग दहशत में आ गए और घरों से बाहर निकल आए। हर किसी का यही सवाल था कि आखिर यह धमाका कैसा था। लोगों में चर्चा बनी हुई है कि इलाके में कहीं बम फट गया है, क्योंकि 23 जनवरी की रात करीब 9.50 बजे खानपुर गांव के पास फ्रेट कॉरिडोर रेलवे लाइन पर ऐसा ही ब्लास्ट हुआ था। इस दौरान क्षतिग्रस्त इंजन में सवार एक रेल कर्मचारी मामूली रूप से घायल हो गया था। ब्लास्ट से रेल इंजन के शीशे टूट गए थे। अब एक बार फिर धमाके की आवाज सुनकर लोग डर गए हैं। वहीं, धमाके की आवाज के बाद पुलिस भी कई इलाकों में घूमती नजर आई। स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस से पूछने पर जवाब मिला कि घबराने की कोई बात नहीं है। धमाका कहां हुआ है, इसकी जांच हो रही है। अगर किसी के पास कोई भी कोई सूचना मिले तो तुरंत पुलिस को बताएं। वहीं, धमाके की तेज आवाज को लेकर फतेहगढ़ साहिब के डीएसपी कुलबीर सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उनकी ओर से पूरी इलाके की जांच की गई है। लेकिन अभी तक कुछ भी पता नहीं लग पाया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ऐसे मामलों में अफवाहों से बचें और किसी भी संदेह की स्थिति में जानकारी के लिए पुलिस कंट्रोल रूम से संपर्क करें। सूत्रों के अनुसार, धमाके की तेज आवाज फाइटर जेट के सोनिक बूम की थी, सोनिक बूम तेज रफ्तार से उड़ने वाले विमान द्वारा उत्पन्न एक शक्तिशाली शॉक वेव होती है। जब कोई फाइटर जेट ध्वनि की गति लगभग 1,235 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक गति प्राप्त कर लेता है, तो वह साउंड बैरियर को तोड़ देता है। इस प्रक्रिया में हवा के अणुओं पर अचानक अत्यधिक दबाव पड़ता है और यह दबाव जमीन पर पहुंचकर धमाके जैसी आवाज पैदा करता है।

वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों पर पुख्ता डाटा नहीं, राज्यसभा में सरकार दी जानकारी

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा को बताया कि वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों का सीधा संबंध साबित करने के लिए कोई पुख्ता डाटा नहीं है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम सकारात्मक परिणाम दिखा रहा है। कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा, कोई पुख्ता डाटा नहीं है जिससे जिससे वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों का सीधा संबंध स्थापित किया जा सके। यानी पक्के तौर पर कहा जा सके कि मौत केवल वायु प्रदूषण के कारण ही हुई है। उन्होंने कहा कि एनसीएपी का उद्देश्य 24 राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में 130 शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार करना है। मंत्री ने कहा कि 2024-25 में 103 शहरों में 2017-18 के आधार वर्ष की तुलना में पीएम10 में कमी आई है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार एनसीएपी के कार्यान्वयन ढांचे की निरंतर समीक्षा और निगरानी कर रही है ताकि इसे और मजबूत किया जा सके।

चुनाव आयोग एसआईआर के त्रुटियों वाले नामों की सूची दे, बिहार में एसआईआर के खिलाफ याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित

नईदिल्ली, 30 जनवरी [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि वह विभिन्न राज्यों में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) के दौरान तर्कसंगत विसंगतियों या त्रुटियों की सूची में शामिल नामों को ग्राम पंचायत भवनों और ब्लॉक कार्यालयों में प्रदर्शित करें, जहां दस्तावेज और आपत्तियां भी प्रस्तुत की जाएंगी।इसके अलावा, सर्वोच्च अदालत ने बिहार में चुनावी मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के खिलाफ दायर याचिकाओं के एक समूह पर अपना फैसला सुरक्षित रखा, जिसमें गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) की याचिका भी शामिल है। कोर्ट उन याचिकाओं की जांच कर रहा है, जिसमें दावा किया गया है कि चुनाव आयोग के पास संविधान के अनुच्छेद 326, 1950 के प्रतिनिधित्व अधिनियम और इसके तहत बनाए गए नियमों के तहत इस तरह के बड़े पैमाने पर एसआईआर करने की शक्तियां नहीं हैं। बिहार में पुनरीक्षण के पूरा होने के बाद यह प्रक्रिया नौ राज्यों छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, बंगाल और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्या बागची की पीठ ने गुरुवार को वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल, अमित आनंद तिवारी और वकील विवेक सिंह की दलीलें सुनीं, जिन्होंने द्रमुक की ओर से कहा कि तर्कसंगत विसंगतियों की सूची में शामिल मतदाताओं को चुनावी सूची में शामिल होने का उचित समय और अवसर दिया जाना चाहिए, विशेषकर चुनावी तमिलनाडु में।पीठ ने उन राज्यों के लिए सामान्य निर्देश जारी किए, जहां एसआईआर चल रहा है और नोट किया कि चुनाव आयोग के नोटिस जारी किए गए हैं और उन्हें तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया है । सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तर्कसंगत विसंगति श्रेणी के तहत पिता के नाम या माता-पिता की उम्र में असमानताएं और दादा-दादी की उम्र में अंतर को अधिकारियों द्वारा देखा गया है। पीठ ने कहा, पार्टी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों से यह स्पष्ट होता है कि तर्कसंगत विसंगतियों की श्रेणी में पिता के नाम की असमानता, माता-पिता की उम्र में असमानता, माता-पिता की उम्र में 50 वर्ष से अधिक का अंतर, दादा-दादी की उम्र में 40 वर्ष से कम का अंतर, और छह से अधिक संतान वाले लोग शामिल हैं।

ट्रंप की चेतावनी के बीच ब्रिटेन का बड़ा कदम

रणनीतिक साझेदारी मजबूत करेंगे चिनफिंग और स्टार्मर

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने गुरुवार को दीर्घकालिक, स्थिर और व्यापक रणनीतिक साझेदारी विकसित करने पर सहमति जताई। चीन के साथ संबंधों को सुधारने के लिए स्टार्मर ऐसे समय बीजिंग पहुंचे, जब ब्रिटेन और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण हैं। इस दौरे से ट्रंप की नाराजगी का जोखिम है, क्योंकि वह पहले से ही अमेरिका के सबसे करीबी देशों पर टैरिफ लगा रहे हैं और उनकी आलोचना कर रहे हैं।बीजिंग स्थित ग्रेट हाल ऑफ पीपल में दोनों नेताओं की यह बैठक करीब 80 मिनट चली। इस पर वाशिंगटन की विशेष नजर रही। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने संबंधों को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं।चिनफिंग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को पिछले कुछ समय से गंभीर व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। चीनी राष्ट्रपति ने इस बयान के जरिये ट्रंप की अप्रत्याशित नीतियों पर परोक्ष प्रहार किया। जबकि स्टार्मर ने चिनफिंग के साथ बैठक को उपयोगी बताया और कहा, मुझे लगता है कि दुनिया के लिए चुनौतीपूर्ण दौर में जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करने की जरूरत है। 2018 के बाद चीन का दौरा करने वाले स्टार्मर ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री हैं। रॉयटर के अनुसार, मौजूदा दौर में राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस तरह की टैरिफ और कारोबारी नीतियां अपनाई है, उससे अमेरिका से उसके करीबी सहयोगी देशों के दूर होने का खतरा बढ़ गया है। ट्रंप के टैरिफ प्रेम के चलते वे व्यापार के लिए दूसरे विकल्प तलाशने लगे हैं।

झारखंड के जंगलों को आग से बचाने की पूरी तैयारी, 150 साल पुरानी फायर लाइनें होंगी सक्रिय

रांची, 30 जनवरी [एजेंसी]।

राज्य के जंगलों में लगने वाली आग को रोकने के लिए सबसे सुरक्षित सिस्टम फायर लाइन को फिर से सक्रिय किया जाएगा। जंगलों में 10 से 20 मीटर चौड़ी पट्टी के तौर पर फायर लाइन बनाई जाती है। इससे आग फैलने से रूकती है और बुझाने में भी आसानी होती है। झारखंड के नेतरहाट फारेस्ट रेंज समेत कई जंगलों में 1865 से फायर लाइन बनी हुई है। ब्रिटिश वन अधिकारियों ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के साथ यहां के जंगलों में भी फायर लाइन बनवाए थे। अब वन एवं पर्यावरण विभाग इस महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच को फिर से पुनर्जीवित करने जा रहा है।इसके साथ ही जंगलों में कच्ची सड़क और चौड़ी पगडंडी को भी फायर लाइन के तौर पर विकसित किया जाएगा। इनपर हुए अतिक्रमण को हटाकर इन्हें आग से बचाव वाली पट्टी के तौर पर तैयार किया जाएगा। इनपर उग आई झाड़ियों को हटाकर वहां से सूखी पत्तियों को भी दूर करेंगे। पूर्व वन अधिकारी राकेश रमण ने बताया कि फायर लाइन से आग रोकने की तकनीक पूरी तरह स्वदेशी है और यह 150 सालों से अधिक समय से झारखंड के जंगलों में भी प्रयोग में लाई जा रही है।पिछले कुछ सालों से इस महत्वपूर्ण पारंपरिक आगरोधी तरीके को कम महत्व दिया जा रहा था। लेकिन इसकी उपयोगिता और आग बुझाने में कारगर होने की वजह से विभाग फिर से इसे तैयार कर रहा है।जंगलों में बसे गावों के लोग आने जाने के लिए जिस पट्टी के उपयोग करते हैं उसे फायर लाइन बनाने की योजना है। भारत सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्रालय में सलाहकार अमितेश आनंद इन फायर लाइन की पहचान में ग्रामीणों की मदद को महत्वपूर्ण मानते हैं। उत्तराखंड के राजाजी नेशनल पार्क में उनकी टीम ने ग्रामीणों के साथ मिलकर करीब 100 किलोमीटर की पट्टी तलाशी है जिससे आग लगने की घटना में 40 प्रतिशत की कमी आई है। अब इसी प्रयोग को झारखंड के जंगलों में दोहराने की तैयारी है जिससे अप्रैल से जुलाई तक जंगलों में लगने वाली आग पर काबू हो सके।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता सरकार से पूछा, सात हजार महिलाओं को क्यों बंद की गई सहायता राशि

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने बंगाल सरकार को अगले दो सप्ताह के अंदर रिपोर्ट जमा करके यह बताने को कहा है कि पश्चिम मेदिनीपुर जिले के मयना इलाके की सात हजार महिलाएं लक्ष्मी भंडार योजना के लाभ से वंचित क्यों हो गई हैं। मामले पर आगामी 17 फरवरी को अगली सुनवाई होगी।मालूम हो कि ये महिलाएं मयना इलाके के बाकचार ग्राम पंचायत इलाके की रहने वाली हैं। इस ग्राम पंचायत पर वर्तमान में भाजपा का कब्जा है। मालूम हो कि लक्ष्मी भंडार योजना के तहत बंगाल सरकार की ओर से अनुसूचित जाति/जनजाति की महिलाओं को हर महीने 1200 व सामान्य श्रेणी की महिलाओं को 1000 रुपये प्रदान किए जाते हैं।

मामला कारी महिलाओं का कहना है कि पिछले साल सितंबर से उन्हें लक्ष्मी भंडार के तहत राज्य सरकार से रुपये मिलना बंद हो गया है। आरोप लगाया कि राजनीतिक कारणों से ऐसा किया गया है। मुख्य न्यायमूर्ति सुजय पाल व न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की खंडपीठ ने मामले पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को इसका कारण बताने को कहा है। खंडपीठ ने यह भी कहा है कि मामले पर सुनवाई के कारण योजना के तहत रुपये देना बंद न रखा जाए, यह भी सुनिश्चित करना होगा।

बारामती विमान दुर्घटना पर नहीं फैलाएं अफवाह, पायलट समूह ने लोगों से की अपील

नईदिल्ली, 30 जनवरी [एजेंसी]।

पायलटों के समूह एएलपीए इंडिया ने बारामती विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्ति की है और लोगों से दुर्घटना के संबंध में अफवाह फैलाने और नैरेटिव गढ़ने से बचने की अपील की है। बारामती एयरपोर्ट के पास बुधवार सुबह विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, दो पायलट और दो अन्य की मौत हो गई थी।

एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए इंडिया) ने गुरुवार को एक बयान में कहा, हमारा दृढ़ विश्वास है कि दोनों पायलटों ने पेशेवर नैतिकता के उच्चतम मानकों का पालन किया होगा और अपनी अंतिम सांस तक विमान और उसमें सवार लोगों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया होगा। इसमें सभी से यह आग्रह भी किया गया है कि वे सत्यापित तथ्यों और उचित जांच के बगैर अटकलें, अफवाहें या नैरेटिव गढ़ने से बचें।पायलटों के संगठन ने कहा, हमें विश्वास है कि डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) और एएआईबी (विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो) एक गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करेंगे और उचित समय पर अपने निष्कर्षों को सामने रखेंगे।

बांग्लादेश ने 23 भारतीय मछुआरों को लौटाया भारत ने भी 128 बांग्लादेशियों को वापस भेजा

कोलकाता। विदेश मंत्रालय और भारतीय तटरक्षक बल के समन्वय से बांग्लादेशी अधिकारियों ने गुरुवार को 23 भारतीय मछुआरों और मछली पकड़ने वाली दो भारतीय नौकाओं को वापस भेज दिया।बांग्लादेश के समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने के इरादे से अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने के आरोप में इन मछुआरों को बांग्लादेश में हिरासत में लिया गया था। पारस्परिक समझौते के तहत, भारत सरकार ने भी 128 बांग्लादेशी मछुआरों और उनकी पांच नौकाओं को वापस भेज दिया। भारत के विशेष आर्थिक जोन में अवैध मछली पकड़ने के आरोप में भारतीय तटरक्षक बल ने इन बांग्लादेशी मछुआरों को पकड़ा था। बाद में उन पर विदेशी अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया गया।

ईमानदार अधिकारियों को अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचाने की जरूरत, आर्थिक सर्वेक्षण में कैग-सीवीसी जैसी संस्थाओं को सलाह

नईदिल्ली, 30 जनवरी [एजेंसी]।

भारत को जिस उद्यमशील राज्य की सख्त जरूरत है, उसके लिए ईमानदार अधिकारियों को निरर्थक और परेशान करने वाले अभियोजन से संरक्षण देना अनिवार्य है। यह बात आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में कही गई है, जिसे गुरुवार को संसद में पेश किया गया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश सर्वेक्षण में कहा गया है कि कानूनी और संस्थागत ढांचे ऐसे होने चाहिए, जो सद्भावना में लिए गए निर्णयों को सुरक्षा प्रदान करें और गलती व भ्रष्टाचार के बीच स्पष्ट अंतर तय करें।सर्वेक्षण में कहा गया है कि हर नकारात्मक नतीजा न तो गलत मंशा का परिणाम होता है और न ही अक्षमता का। कई बार विफलताएं अनुमानों की चूक, समय, समन्वय या जवाबदेही के समय-चक्र से जुड़ी होती हैं। इसमें नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) और सतर्कता संस्थाओं के दृष्टिकोण में बदलाव की जरूरत पर बल दिया गया है। सर्वेक्षण के अनुसार, पूर्व-निर्धारित स्पष्टता और बाद की अनुपातिक समीक्षा, वास्तविक समय की सख्त निगरानी से अधिक महत्वपूर्ण है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि आने वाले दशकों में भारत को ऐसे फैसले लेने होंगे, जिनके लिए कोई तयशुदा मार्गदर्शिका नहीं होगी। ऐसे में सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि देश अनिश्चितता के बीच सीखने, सुधार करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में कितना सक्षम है। जापान के युद्धोत्तर अनुभव का हवाला देते हुए सर्वेक्षण में कहा गया है कि वहां नीतिगत विफलताओं को सीख के अवसर के रूप में देखा गया, न कि दंड का आधार।

इसमें यह भी उल्लेख किया गया कि भारत में अक्सर नीतिगत सुधार या दिशा परिवर्तन को अयोग्यता का संकेत मान लिया जाता है, जबकि वास्तव में यह संस्थागत परिपक्वता का प्रतीक हो सकता है। लोकतंत्र की जटिलताओं पर चर्चा करते हुए सर्वेक्षण में कहा गया कि राजनीतिक नेतृत्व को दिशा तय करनी चाहिए, जबकि नौकरशाही को समाधान खोजने और नीतिगत औजारों को अनुकूलित करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। एक उद्यमशील देश वही होगा, जिसकी संस्थाएं गलतियों से डरने के बजाय उनसे सीखने की क्षमता विकसित करें।

अमेरिकी विशाल नौसेना बेड़ा तेहरान के करीब, क्या खामेनेई पर हो सकता है वेनेजुएला-स्टाइल ऑपरेशन?

नईदिल्ली, 30 जनवरी [एजेंसी]।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपनी कड़वी और अतिशयोक्तिपूर्ण भाषा में ईरान को चेतावनी दी है। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि एक खूबसूरत नौसैनिक बेड़ा अब ईरान की ओर जा रहा है । यह वेनेजुएला वाले से कहीं बड़ा और तैयार है।यूएसएस अब्राहम लिंकन के नेतृत्व वाला यह कैरियर स्ट्राइक ग्रुप मध्य पूर्वी जलक्षेत्र में पहुंच चुका है, जिसमें एफ-35 स्टील्थ फाइटर, एफ-18, ईए-18 ग्रोवलर और टोमाहॉक मिसाइलों से लैस विध्वंसक शामिल हैं।ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अगर ईरान परमाणु समझौते पर नहीं लौटा, तो अगला हमला जून 2025 के ऑपरेशन मिडनाइट हैमर से कहीं ज्यादा भयावह होगा। जब अमेरिका ने फोर्डो, नतांज और इस्फहान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हमला किया था।विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप की रणनीति अब रक्षात्मक से आक्रामक हो गई है, जिसमें ईरान के मिसाइल साइलो, आईआरजीसी कमांड सेंटर और संभवतः सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को निशाना बनाना शामिल हो सकता है।ट्रंप ने कई बार वेनेजुएला में निकोलस मादुरो के खिलाफ इस्तेमाल की गई रणनीति का जिक्र किया है। पूर्व पेंटागन अधिकारी मार्क कैंसियन ने कहा, मादुरो जैसी जबरन वसूली ईरान में मुश्किल है । भूगोल, दूरी और ईरान की जवाबी क्षमता बहुत चुनौतीपूर्ण हैं। फिर भी, क्षेत्र में 30,000-40,000 अमेरिकी सैनिक, अतिरिक्त THAAD और पैट्रियट सिस्टम तैनात हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता के सलाहकार अली शमखानी ने चेतावनी दी कि कोई भी अमेरिकी कार्रवाई तेल अवीव और उसके समर्थकों तक पहुंचेगी। विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने कहा, हमारे बल किसी भी आक्रामकता का तुरंत और जोरदार जवाब देंगे, लेकिन साथ ही निष्पक्ष, दबाव-मुक्त परमाणु समझौते का प्रस्ताव भी रखा। ईरान ने याद दिलाया कि अमेरिकी ठिकाने और सहयोगी क्षेत्र में बहुत करीब हैं, और जवाब पहले कभी न देखे गए तरीके से होगा। ईरान में हालिया विरोध प्रदर्शनों में हजारों मौतों के बाद शासन आर्थिक और घरेलू संकट में है। ट्रंप की टीम का मानना है कि नेतृत्व पर सटीक हमले से नए अशांति भड़क सकते हैं और सत्ता परिवर्तन संभव हो सकता है ।हालांकि, पूर्व अधिकारी सेथ जोन्स ने कहा कि उद्देश्य अभी स्पष्ट नहीं, लेकिन अमेरिका आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तैयारियों में है। यह तनाव मध्य पूर्व को युद्ध के कगार पर ला खड़ा कर सकता है, जबकि ट्रंप डील की उम्मीद जता रहे हैं, लेकिन समय खत्म हो रहा है।

दिल्ली में स्कूलों और चंडीगढ़ के दफ्तरों को बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराए गए स्कूल, पंजाब सीएम को भी आया ईमेल

नई दिल्ली। ईमेल के जरिये विभिन्न संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को दिल्ली के चार स्कूलों और चंडीगढ़ के कई सरकारी दफ्तरों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। हालांकि तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। ईमेल में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को धमकी दी गई है और सचिवालय में आइईडी लगाए जाने का दावा किया गया है। मालूम हो कि एक दिन पहले बुधवार को चंडीगढ़, करनाल व गुरुग्राम के स्कूलों और दिल्ली व मुजफ्फरपुर के कोर्टों को बम से उड़ाने की धमकी झूठी निकली थी। गुरुवार सुबह दिल्ली के चार प्रतिष्ठित स्कूलों लोरेटो कान्वेंट (दिल्ली कैंट), डान बास्को (सीआर पार्क), कार्मल स्कूल (आनंद निकेतन) और कार्मल स्कूल (सेक्टर-23, द्वारका) को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये संदेश स्कूलों को सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच ईमेल के जरिये मिले।सूचना पर तत्काल पुलिस, बम निरोधक व श्वान दस्ता मौके पर पहुंचे। बच्चों को तुरंत कक्षाओं से बाहर निकालकर पूरी इमारत में सघन तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। वहीं, चंडीगढ़ में पंजाब सचिवालय, मिनी सचिवालय, और पंजाब म्यूनिसिपल भवन को धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। एहतियातन तीनों भवनों को खाली करवा लिया गया। कई घंटों तक चली तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

वृंदावन में बांग्ला भाषी वोटरों की मतदाता लिस्ट मैपिंग में बाधा, बांग्ला न समझ पाने से गूगल ट्रांसलेट का सहारा

मथुरा, 30 जनवरी [एजेंसी]।

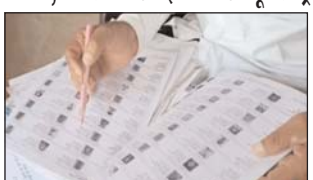

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के सामने नई समस्या आ रही है। वृंदावन में बड़ी संख्या में बंगाल के मतदाता हैं। उनके पास वर्ष 2003 की वोटर लिस्ट है। यह बांग्ला भाषा में है। मैपिंग केंद्रों पर तैनात कर्मचारी बांग्ला भाषा की जानकारी न होने से ऐसी वोटर लिस्ट को पढ़ नहीं पा रहे हैं।ऐसे में गूगल ट्रांसलेट का सहारा लिया जा रहा है, जिससे नोटिस की सुनवाई में समय लग रहा है। एसआईआर के तहत 2003 की मतदाता सूची से नाम मिलान और मैपिंग की कार्रवाई चल रही है। वृंदावन के गौरा नगर सहित कई इलाकों में वर्षों से बंगाल आदि राज्यों से आए परिवार रह रहे हैं। इनके पूर्वज चैतन्य महाप्रभु के समय से वृंदावन आ रहे थे। बंगाल के करीब 20 हजार लोग रहते हैं। कई 2003 में अपने राज्य में मतदाता थे। वर्षों से यहां रहने से अब वे यहां के मतदाता हैं।ऐसे लोग मैपिंग के लिए 2003 की अपने राज्य की मतदाता सूची दे रहे हैं। गौरा नगर में रह रहे बंगाल के गौरांग देव शर्मा करीब दो दशक से यहां रह रहे हैं। उनका मतदाता पहचान पत्र यहां बना है। एसआईआर के लिए 2003 की मतदाता सूची लेकर पहुंचे। बांग्ला में होने के कारण अधिकारी इसे पढ़ नहीं पा रहे। वह कहते हैं कि मतदाता सूची देख अधिकारी कुछ समझ ही नहीं पाए। गूगल से ट्रांसलेट किया। खुद हमसे हिंदी में लिखाया और फिर साइन कराए। दिलीप देवनाथ त्रिपुरा से 50 वर्ष पहले वृंदावन आए थे। यहां मतदाता हैं, लेकिन 2003 की सूची में नाम ढूंढे नहीं मिला।

स्वजन की 2003 की वोटर लिस्ट लाए, लेकिन वह बांग्ला भाषा में है। अपने हाथ से कागज पर लिखकर दिया। मतदाताओं से क्रमांक संख्या, भाग संख्या, विधानसभा और पिता का नाम हिंदी में लिखवाया जा रहा है। उस पर हस्ताक्षर कराए जा रहे हैं, ताकि बाद में अपलोड किए गए डाटा से मिलान किया जा सके। एसडीएम राजकुमार चौधरी ने बताया कि बांग्ला वोटर लिस्ट को सीधे पढ़ पाना संभव नहीं है। इसलिए हिंदी में लिखित विवरण लेकर उसे सिस्टम में अपलोड किया जा रहा है।

एडीएम वित्त डा. पंकज कुमार वर्मा का कहना है कि मतदाता जिस विधानसभा की मैपिंग लगाएगा, वहां के संबंधित अधिकारी को पोर्टल के माध्यम से वह डाटा भेजा जाएगा। उसका सत्यापन होगा, सत्यापित होने के बाद ही मैपिंग होगी। बांग्ला भाषा की वोटर लिस्ट के सत्यापन के लिए बंगाल के संबंधित बीएलओ और वहां के अधिकृत अधिकारी ही उसे सत्यापित करके देंगे। तभी मैपिंग की प्रक्रिया पूरी होगी।

श्रुति हासन : विरासत से नहीं, टैलेंट से बनीं सफल अभिनेत्री और गायिका

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। 28 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाने वालीं श्रुति कमल हासन ऐसी ही एक शख्सियत हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है। 1986 में जन्मीं श्रुति हासन, भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और मशहूर अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली।

महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म चाची 420 (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म हे राम में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम रामा रामा भी गाई।एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।

श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म अनागनगा ओ धीरुडु (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। रेस गुर्रम (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं।हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने डी-डे, रामैया वस्तावैया, गब्बर इज बैक, वेलकम बैक, रॉकी हैंडसम जैसी फिल्मों में काम किया। जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं। साल 2009 में उन्होंने अपने पिता के प्रोडक्शन उन्नैपोल ओरुवन से बतौर म्यूजिक डायरेक्टर भी डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने अपना खुद का म्यूजिक भी तैयार किया और बैंड के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई।

श्रुति हासन का सफर इस बात का प्रमाण है कि पहचान नाम से नहीं, काम से बनती है और सुर, स्क्रीन और संवेदनाओं का यह संगम अभी और भी लंबा चलना है।

ताहा शाह बदुशा ने साझा किया भावुक नोटः फैंस के अटूट प्यार के लिए जताया आभार

हीरामंडी और पारो स्टार ताहा शाह बदुशा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक बेहद भावनात्मक और दिल को छू लेने वाला पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने फैंस को उनके सफर में लगातार साथ देने के लिए धन्यवाद कहा है। फिलहाल एक कैंडिड तस्वीर के साथ लिखे गए इस रिफ्लेक्टिव कैप्शन ने कई लोगों के दिलों को छू लिया है, जिसमें ताहा ने यह खूबसूरती से बताया कि उनका यह सफर कभी भी अकेले का नहीं रहा। अपने नोट में ताहा ने लिखा है, मैंने यह सफर कभी अकेले तय नहीं किया क्योंकि यह कभी सिर्फ मेरा था ही नहीं।ताहा शाह बदुशा द्वारा लिखे गए ये शब्द फैंस के बीच तुरंत गूंजने लगे। सिर्फ यही नहीं इन शब्दों के साथ उन्होंने कैंपस विज़िट्स के दौरान बिताए पलों का ज़िक्र करते हुए यह भी लिखा कि वहां तालियों की गूंज, सेल्फी और उत्साह से भरे चेहरे उन्हें अपने ही युवा रूप की याद दिलाते हैं, जो उम्मीदों से भरा था, थोड़ा बेचैन था, लेकिन सपनों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं था। ताहा के मुताबिक, ऐसे पल उन्हें यह एहसास कराते हैं कि उनका सपना अब सिर्फ उनका नहीं रहा। उन्होंने आगे लिखा, जो कभी एक अकेले का सपना था, आज कई लोगों का हो गया है। सपने वही हैं, बस टाइमलाइन अलग है।इन शब्दों के जरिए उन्होंने अपने और अपने फैंस के बीच मौजूद साझा संघर्षों और आकांक्षाओं को बेहद सादगी से बयान किया।

इस पोस्ट को फैंस से खूब प्यार और सराहना मिली। कई लोगों ने ताहा की विनम्रता और ईमानदारी की तारीफ की, वहीं कुछ ने उनकी इस बात के लिए प्रशंसा की कि उन्होंने अपने सफर में फैंस की भूमिका को खुले दिल से स्वीकार किया और अपनी भावनात्मक सच्चाई साझा की।

अपनी ज़मीन से जुड़े स्वभाव और मेहनत के लिए पहचाने जाने वाले ताहा शाह बदुशा न सिर्फ अपने काम के जरिए, बल्कि ऐसे सच्चे और भावुक पलों के ज़रिए भी दर्शकों से एक गहरा रिश्ता बनाते जा रहे हैं। उनका यह दिल से किया गया आभार इस बात की याद दिलाता है कि सफलता कभी अकेले नहीं मिलती और न अकेले की होती है। इसके पीछे अनगिनत दुआएं, भरोसा और साझा सपने होते हैं।

हिमांशी खुराना का ग्लैमरस अंदाजः बिकिनी से लेकर ब्लैक कोट तक हर लुक में छाईं

पंजाबी इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस हिमांशी खुराना अपनी सुंदरता और स्टाइल के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। उन्हें पंजाब की ऐश्वर्या राय भी कहा जाता है। हाल ही में उनके ग्लैमरस लुक्स ने फैंस का दिल जीत लिया। हिमांशी का स्टाइल कभी भी दोहराया नहीं जाता, और उनके अलग-अलग लुक्स अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं।

बिकिनी लुक में सिजलिंग अंदाज

हाल ही में हिमांशी ने बीच वेकेशन पर ब्लैक बिकिनी टॉप के साथ ब्राउन रैप अराउंड स्कर्ट पहनी। स्कर्ट पर वाइट प्रिंट था और साइड में नॉट बांधकर टीज एलिमेंट जोड़ा गया। उनके गोल्डन जूलरी जैसे लेयरिंग चेन, रिंग्स और स्टाइलिश ब्रेसलेट ने लुक को क्लासी और ग्लैमरस बना दिया। ब्राउन न्यूड लिप्स और सॉफ्ट ग्लैम मेकअप ने उनके फीचर्स को और उभार दिया।

ब्लैक ब्यूटी लुक में क्लास

हिमांशी ने एक इवेंट में ब्लैक लॉन्ग ब्लेजर के साथ प्लीटेड स्कर्ट पहनकर फैशन स्टेटमेंट दिया। ब्लेजर का फॉर्मल डिज़ाइन उनके कर्व्स को कॉम्प्लिमेंट कर रहा था। स्कर्ट में प्लीट्स का फ्लो उन्हें ग्रेसफुल लुक दे रहा था। उन्होंने डायमंड नेकलेस और रिंग्स से ब्लैक आउटफिट में शाइन ऐड किया। ओपन सॉफ्ट वैवी हेयर और ग्लॉसी पिंक लिप्स ने लुक को परफेक्ट बनाया।

स्पोर्ट्स वेअर में स्टाइलिश लुक

एक और लुक में हिमांशी ग्रे स्पोर्ट्स टाइट्स और डीप राउंड नेक टॉप में नजर आईं। उन्होंने इसे लक्ज़री ब्रांड पराडा के ओवरकोट के साथ स्टाइल किया, जिसमें लैपल फॉर्मल और बेल्टेड वेस्ट ने लुक को कूल और क्लासी बनाया। पॉकेट और बटन डिटेलिंग ने लुक को और आकर्षक बनाया।

हिमांशी के लुक्स से आप भी अपने स्टाइल को इंप्रूव कर सकती हैं। कुछ आसान टिप्स

रंगों के साथ ओवरडू न करें, मोनोक्रोम लुक ट्राई करें।

ऑल ब्लैक आउटफिट में मेकअप सटल रखें।

जूलरी ओवरडू न करें, कपड़ों को हाइलाइट दें।

लेयरिंग स्टाइल ट्राई करें, जैसे स्कर्ट-ब्लेजर या बिकिनी टॉप-स्कर्ट।

हिमांशी खुराना का ग्लैमरस और स्टाइलिश अंदाज हर किसी को इंस्पायर करता है। उनके अलग-अलग लुक्स और सरल मेकअप के साथ परफेक्ट कॉम्बिनेशन महिलाओं के लिए आइडिया बन सकता है।

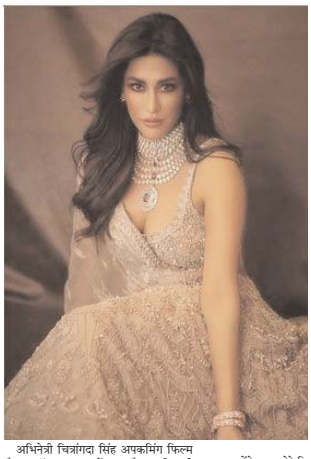

सैन्य अधिकारी की पत्नी का रोल एक अलग अनुभव, उनमें ताकत और डर का मिश्रण :चित्रांगदा सिंह

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल की तैयारी के दौरान उन्होंने मिलिट्री परिवारों की महिलाओं की ताकत और अंदरूनी भावनात्मक डर को गहराई से समझा। चित्रांगदा ने कहा कि इस किरदार ने उन्हें अपनी मां और ऐसी तमाम महिलाओं के संघर्ष को बेहतर तरीके से महसूस कराया। एक इंडियन आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते चित्रांगदा को यूनिफॉर्म, बार-बार पोस्टिंग और अनुशासित जीवन की आदत पहले से थी। लेकिन फिल्म के लिए आर्मी पत्नियों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने के बाद उन्होंने कहा, मेरे पिता आर्मी में थे, उनकी कहानियां सुनना मेरे लिए सामान्य था। लेकिन एक आर्मी पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है। जब मैं उन महिलाओं से मिली, तो मुझे अपनी मां की खामोशी, गर्व और चिंता का मिश्रण समझ आया। चित्रांगदा ने आगे कहा, ये महिलाएं हर दिन ताकत और डर दोनों को अपने अंदर संजोकर रखती हैं। मैंने रोल में सिर्फ हिम्मत या मुस्कान नहीं, बल्कि उस भावना को भी दिखाने की कोशिश की, जहां दिल टूटने के बावजूद खुद को संभालना सीखना पड़ता है।

फिल्म में वह उन भारतीय महिलाओं का प्रतीक बनती दिखेंगी, जो वर्दी पहने सैनिकों के पीछे मजबूती से खड़ी रहती हैं। फिल्म में चित्रांगदा, सलमान खान के किरदार के लिए इमोशनल सहारा बनती हैं। वह कहानी में कोमलता, गरिमा और स्थिरता का पुट लाती नजर आएंगी।

बैटल ऑफ गलवान 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प पर आधारित है। यह टकराव लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हुए बड़े सीमा विवाद का हिस्सा था। इस लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे।

अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान के साथ फिल्म में अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और सिद्धार्थ जैसे सितारे नजर आएंगे।

एक साल, कई रोल्स एक्टिंग डेब्यू से वर्ल्ड टूर तक, बर्थडे पर मुन्नवर फ़ारूक़ी का रिफ्लेक्शन

आज अपना जन्मदिन मना रहे एक्टर मुन्नवर फ़ारूक़ी इस बार किसी ग्रैंड पार्टी के मूड में नहीं हैं। बड़े जश्न की जगह मुन्नवर ने फैसला किया है कि वह अपना खास दिन अपने बेहद करीबी दोस्तों और परिवार के साथ सादगी से मनाएंगे। लगातार व्यस्त और कामयाब रहे साल के बाद, मुन्नवर ने अपने टाइट शेड्यूल से थोड़ा ब्रेक लेकर अपनों के साथ इस नए साल की शुरुआत करने का मन बनाया है। प्रोफेशनल फ्रंट पर बीता साल मुन्नवर के लिए काफी इवेंटफुल रहा। उन्होंने फ़र्स्ट कॉपी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, जिसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और बाद में इसका दूसरा सीज़न भी आया। एक्टिंग के साथ-साथ मुन्नवर ने अपनी पहली इंटरनेशनल स्टैंड-अप वर्ल्ड टूर भी पूरी की, जहां उन्होंने कई देशों में परफॉर्म किया। इसके अलावा, वह पति पत्नी और पंगा, द सोसाइटी सीज़न 1, हफ्ता वसूली जैसे पॉपुलर रियलिटी शोज़ को भी होस्ट करते नज़र आए। पिछले साल को याद करते हुए मुन्नवर ने कहा कि वह अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर दर्शकों से मिले प्यार और सपोर्ट के लिए बेहद आभारी हैं। उन्होंने साझा किया,पिछला साल मेरे लिए बहुत खास और बेहद बिज़ी रहा। फ़र्स्ट कॉपी के साथ मेरा पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट करना और उसके दोनों सीज़न्स को इतना प्यार मिलना, फिर अपनी स्टैंड-अप कॉमेडी को पहली इंटरनेशनल वर्ल्ड टूर तक ले जाना, यह सब मेरे लिए सीख और ग्रोथ से भरा रहा। मैं दर्शकों का दिल से शुक्रगुज़ार हूं कि उन्होंने मुझे इतने अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर अपनाया और तरह-तरह का काम करने का मौका दिया। इस साल मैं कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहता हूं और खुद को क्रिएटिवली चैलेंज करना चाहता हूं। फिलहाल तो बस इतना ही चाहा कि अपने बिज़ी शेड्यूल से थोड़ा वक्त निकालकर परिवार और करीबी दोस्तों के साथ सादगी से अपना बर्थडे मना लूं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो मुन्नवर के पास एक्टिंग, कॉमेडी और म्यूज़िक से जुड़े कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन-अप हैं। इनमें महेश मांजरेकर के साथ अंगड़िया और द सोसाइटी सीज़न 2 शामिल हैं। इसके अलावा वह कुछ और अनाउंस न हुए प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं।

शब्द सामर्थ्य -300

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक299का हल

भू	कं	प		फा	य	दा		स
प		ल	ला	ट		य	ती	म
ति	ल	क		क	न	क		झ
	क्ष्म				रे			
ग	ण	क		सं	श	य		सौ
ह		या	च	क		म	न्न	त
रा	क्ष	स		र	क्ष	क		न
	त्रि				मि			
शा	य	री		का	त	र		गो

विकसित भारत जी राम जी योजना से बदलेगी गांवो की तस्वीर, रोजगार और विकास की गारंटी - जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी

कोरिया बैकुण्ठपुर । विकसित भारत जी राम जी जनजागरण अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी मंडल पटना द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के मुख्य आतिथ्य एवं मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव के अध्यक्षता में देवगढ़ धाम में मंडल सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने भारत माता, डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं.दीनदयाल उपाध्याय जी के छायाचित्र पर द्वीप प्रज्जवलित व पुष्पांजलि अर्पित किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहरलाल गुप्ता, पूर्व जिला उपाध्यक्ष रविशंकर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अनिल साहू, जिला महामंत्री कपिल जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, पूर्व जिला महामंत्री विनोद साहू, जिला मंत्री शारदा गुप्ता, सुनिता कुर्रे, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, नगर पंचायत उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव, जिला कार्यसमिति सदस्य योगेन्द्र मिश्रा, मंडल महामंत्री सचिदानंद द्विवेदी, सत्यम साहू, सरपंच नारेन्द्रं सिंह, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलराज रवि, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सतेन्द्र राजवाड़े, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष कृष्णा प्रजापति, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रीता यादव उपस्थित रहें।

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, कांग्रेस मनरेगा को बंद करने का भ्रम फैला रही है, जबकि सच यह है कि उसकी कमियों को दूर करके 'विकसित भारत जी राम जी' कानून बनाया गया है, जिससे अब गांव के श्रमिकों को 100 नहीं 125 दिन का रोजगार मिलेगा। विकसित भारत जी राम जी योजना से बदलेगी गांवो की तस्वीर, रोजगार और विकास कार्य में तेजी आएगी।

विकसित भारत जी राम जी को लेकर कार्यकर्ता गांवों में जनचौपाल व बाजारों में सभा करेंगे- भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि, विकसित भारत जी राम जी योजना को जनता तक पहुंचाने गांवों में जनचौपाल व हाट बाजारों में नुक्कड़ सभा व जनसम्पर्क कर योजनाओं को अधिक से अधिक लोगो तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को आह्वान किया। जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है जिससे जनता को सीधा लाभ मिल रहा है और आने वाले समय में विकसित भारत जी राम जी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा।

पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहर लाल गुप्ता ने कहा कि, 'विकसित भारत जी राम जी' योजना के लिए पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन कर रहा है, वहीं कांग्रेस भ्रम फैलाने का काम कर रही है। पूर्व जिला उपाध्यक्ष रविशंकर शर्मा ने कहा विकसित भारत जी राम जी योजना से ग्रामीणों क्षेत्रों का विकास होगा, और आम जनता को रोजगार भी मिलेगा। जिला महामंत्री कपिल जायसवाल ने कहा कि, विकसित भारत जी राम जी योजना में भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई है, और सारी व्यवस्था डिजिटल की गई है। जिससे स्थानीय स्तर पर श्रमिकों को रोजगार मिलेगा। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। साथ ही मंच संचालन मंडल महामंत्री सचिदानंद द्विवेदी एवं सत्यम साहू द्वारा किया गया। कार्यक्रम में गणेश यादव, वर्षा साहू, राकेश गुप्ता, रूपचंद गुप्ता, मनोज सोनवानी, सुरेन्द्र कुशवाहा, ममता कुशवाहा, रंजीत मंडल, राय सिंह, सुनिल सिंह, रितेश सिंह, संतोष सिंह, चंदन देवांगन, पप्पू साहू, देवेन्द्र कुर्रे, अजीत राजवाड़े, जय राजवाड़े, मंगल सिंह, धर्मजीत सोनवानी, भवरलाल कुर्रे, लहरे सोनवानी, रेखा वर्मा, ज्योति देवांगन, मीरा सोनी, उर्मिला सिंह,निर्मला पोया, अमित सिंह, अहिबरन सिंह, राजेश सोनी, चन्द्रकली राजवाड़े, प्रियंका कुसुम सोनी, कपिल कुशवाहा, प्रवेन्द्र सिंह, कमलेश साहू, संजय साहू, शिव यादव, सरजू देवांगन, रमेश पोया, सत्यप्रकाश रवि, सुमनकांत तिवारी सहित जिला पदाधिकारी, मोर्चा -प्रकोष्ठ के जिला एवं मंडल पदाधिकारी उपस्थित रहें।

अमृत सरोवर बनेंगे ग्रामीण जागरूकता के केंद्र

वीबी जीरामजी योजना की जानकारी के लिए जिलेभर में होंगे सरोवर संवाद

कोरिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने हेतु संचालित वीबी जीरामजी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक जनजागरूकता के उद्देश्य से जिले में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत ग्रामीण विकास में होने वाले सकारात्मक परिवर्तनों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने हेतु विशेष सूचनात्मक सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

इस उद्देश्य से प्रथम चरण में जिले के अमृत सरोवर स्थलों को चयनित किया गया है। कोरिया जिले में वर्तमान में कुल 57 अमृत सरोवर विकसित किए जा चुके हैं, जिनका क्षेत्रफल एक एकड़ से अधिक है। ये सरोवर जलसंरक्षण के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। यहां राष्ट्रीय पर्वों पर ध्वजारोहण, स्वच्छता अभियान तथा योग दिवस जैसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहे हैं, जिससे ये स्थल सामाजिक समरसता के प्रतीक बन चुके हैं। राज्य कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार आगामी सप्ताह में जिले के समस्त अमृत सरोवर तटों पर वीबी जीरामजी योजना के लाभों से

ग्रामीणों को अवगत कराने हेतु विशेष सूचनात्मक सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने सभी अमृत सरोवर स्थलों पर सरोवर संवाद अथवा चौपाल चर्चा कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि इन संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से पंचायत राज पदाधिकारियों, स्थानीय पंजीकृत श्रमिकों एवं ग्रामीणों को वीबी जीरामजी योजना की विशेषताओं और लाभों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करने में इस योजना की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए आम नागरिकों के संशयों का समाधान भी किया जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी बस्तर पंडुम-2026 का उद्घाटन

जगदलपुर। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू 7 फरवरी 2026 को एक दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगी। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति जगदलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय 'बस्तर का औपचारिक उद्घाटन करेंगी।

जिला वाहन चालक संघ की बैठक में पदाधिकारियों का चयन

कोरिया बैकुंठपुर। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित वाहन चालक कार्यालय में विगत दिनों जिला वाहन चालक संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त वाहन चालकों की सहमति से संघ के विभिन्न पदों के लिए पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया गया। पंजीयन क्रमांक 16105/08 के अंतर्गत जिला अध्यक्ष विजय सिंह के मार्गदर्शन में सर्वसम्मति से भगवान दास को जिला उपाध्यक्ष, प्रमोद नाहक को सचिव, नियाज़ खान को सह सचिव, रजनी कांत पैकरा को कोषाध्यक्ष, राजेंद्र प्रसाद सोनवानी को सलाहकार तथा मो. आरिफ को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को जिले के समस्त वाहन चालकों के हित में उनके कार्यक्षेत्र के अनुसार जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। बैठक में संगठन को मजबूत करने एवं वाहन चालकों की समस्याओं के समाधान पर भी चर्चा की गई।

कोरिया में अवैध कोयला खदानें धड़ल्ले से संचालित, प्रशासन की नाक के नीचे हजारों टन कोयले की कालाबाजारी

कोरिया। जिले में अवैध कोयला खनन का खेल खुलेआम जारी है। प्रशासनिक दावों और कार्रवाई की बातों के बीच ज़मीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। जिले के कई वन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गुफा नुमा अवैध कोयला खदानें संचालित हो रही हैं, जहां से प्रतिदिन हजारों टन कोयला निकालकर कालाबाजारी की जा रही है। यह पूरा कारोबार प्रशासन की नाक के नीचे फल-फूल रहा है।

ग्राउंड रिपोर्ट में सामने आया है कि इन अवैध खदानों में सुरक्षा के कोई इंतज़ाम नहीं हैं। संकरी और अंधेरी सुरंगों में मजदूर जान जोखिम में डालकर कोयला निकालने को मजबूर हैं। किसी भी तरह की दुर्घटना की स्थिति में बचाव की कोई व्यवस्था नहीं है। बावजूद इसके, कोयला माफियाओं द्वारा लगातार इन खदानों का संचालन किया जा रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि रात के अंधेरे में ट्रैक्टर, पिकअप और ट्रकों के ज़रिए कोयले की ढुलाई होती है। यह कोयला आसपास के जिलों और राज्यों तक सप्लाई किया जाता है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कई बार शिकायतों के बावजूद न तो खनिज विभाग सक्रिय हुआ और न ही पुलिस प्रशासन ने ठोस कार्रवाई की।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन इलाकों में यह अवैध खनन हो रहा है, वे प्रशासनिक रिकॉर्ड में संवेदनशील क्षेत्र के रूप में दर्ज हैं। इसके बावजूद माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। सवाल यह उठता है कि क्या यह सब बिना किसी संरक्षण के संभव है?अवैध कोयला खनन से न सिर्फ सरकारी राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर क्षति पहुंच रही है। जंगलों का कटाव, ज़मीन धंसने का खतरा और प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले पर कब संज्ञान लेता है और अवैध कोयला खनन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।

सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता: बीजापुर में 2 शक्तिशाली आईईडी बरामद, मौके पर किया गया नष्ट

बीजापुर । जिले के ईलमिड़ीङ्कलंकापल्ली क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी नक्सली साजिश को नाकाम करते हुए दो शक्तिशाली आईईडी बरामद कर उन्हें सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, डीआरजी बीजापुर, थाना ईलमिड़ी पुलिस, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (9वीं वाहिनी) तथा बीडीएस टीम बीजापुर की संयुक्त टीम गुरुवार को सर्चिंग अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान लंकापल्ली की कच्ची सड़क पर डिमाइनिंग कार्रवाई करते समय जवानों को संदिग्ध वस्तु दिखाई दी।

जांच करने पर पता चला कि माओवादियों द्वारा सड़क के बीचों-बीच 20 से 30 किलोग्राम वजनी दो आईईडी लगाए गए थे। ये विस्फोटक कमांड स्विच सिस्टम से जोड़े गए थे और इन्हें विशेष रूप से बड़े वाहनों को निशाना बनाने की मंशा से लगाया गया था।

सूचना मिलते ही बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) बीजापुर की टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए

अवैध फल ठेलों को हटाकर नाला सफाई करवाई और जनशिकायत का किया त्वरित निदान

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम में प्राप्त स्वच्छता सम्बंधित जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप द्वारा दिए गए आदेशानुसार और नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणीग्रही और जोन 10 जोन कमिश्नर श्री विवेकानंद दुबे के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन 10 क्षेत्र अंतर्गत लालपुर फल बाजार क्षेत्र के सामने मार्ग का जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमित बेहरा और स्वच्छता निरीक्षक श्री यशवंत बेरिहा द्वारा प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया. वहाँ नाले पर अवैध बड़े पाटे बनाये जाने और ठेला लगाए जाने सहित नाला सफाई अवरुद्ध होने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत सही मिली. इस पर स्वास्थ्य अधिकारी एवं जोन 10 जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा जेसीबी मशीन की सहायता से अभियान चलाकर नाले पर कब्जा कर अवैध फल ठेलों का कब्जा नाले से हटाकर किया।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत कोरिया के आदिवासी विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

कोरिया बैकुंठपुर। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर द्वारा संचालित राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत कोरिया जिले के होनहार आदिवासी विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कोरिया कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में विज्ञान विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्राइमरी स्तर के 10 आदिवासी छात्र-छात्राओं को दिल्ली स्थित प्रमुख विज्ञान, शैक्षणिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया गया। शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत नेशनल साइंस सेंटर, दिल्ली से हुई, जहां विद्यार्थियों ने विज्ञान से जुड़े विभिन्न प्रयोगों, मॉडलों, 3-डी वैज्ञानिक शो एवं प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से भौतिकी, ऊर्जा, रेडियोधर्मिता तथा कोयले के निर्माण की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से समझा। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्रयोग आधारित शिक्षा के माध्यम से वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को जाना। भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री संग्रहालय, लाल किला, इंडिया गेट, विजय स्तंभ, महात्मा गांधी का समाधि स्थल (राजघाट), लोटस टेंपल, गणतंत्र दिवस परेड की झांकियां एवं मेट्रो रेल का भी अवलोकन कराया गया, जिससे उनका शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक ज्ञान समृद्ध हुआ। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों की जिज्ञासा को बढ़ाते हैं और उन्हें व्यवहारिक रूप से सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। वहीं सहायक संचालक शिक्षा विभाग जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय आविष्कार अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रयोग आधारित शिक्षा से जोड़कर उनमें नवाचार एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है। कार्यक्रम के दौरान जिला मिशन समन्वयक संजय सिंह, जिला नोडल अधिकारी धर्मेंद्र कुमार सिंह, ए.पी.सी. प्रवीण पटेल एवं व्याख्याता श्रीमती रितु वर्मा द्वारा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया।

जी. एम. रेलवे की संवेदनशील पहल से रोशनी से जगमगाया चरचा अंडरब्रिज

एक सप्ताह की जगह मात्र दो दिन में पूरी हुई लाइट व्यवस्था

चरचा कॉलरी। गत दिवस औचक निरीक्षण के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महा प्रबंधक तरुण प्रकाश के बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन आगमन के दौरान एक महत्वपूर्ण जनसमस्या का त्वरित समाधान सामने आया। राष्ट्रीय राजमार्ग से नगर पालिका शिवपुर चर्चा क्षेत्र तक पहुंचने के लिए रेलवे द्वारा अंडर ब्रिज का निर्माण कराया गया था अंडर ब्रिज के प्रारंभ होने से अभी तक इसमें लाइट नहीं लगाई गई थी जिसकी वजह से काफी अंधकार रहता था व रात्रि के दौरान महिलाओं बच्चों व अन्य लोगों को काफी सुविधा होती थी स्थानीय नागरिकों के द्वारा कई बार सुचारू लाइट व्यवस्था की मांग की गई थी किंतु समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था ,जी एम रेलवे के बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन के औचक निरीक्षण के दौरान नगर पालिका शिवपुर चरचा के अध्यक्ष अरुण जयसवाल,चरचा बचाव मंच के अध्यक्ष नीरज गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश शर्मा एवं मोहम्मद आरिफ द्वारा चरचा स्थित रेलवे अंडरब्रिज में अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के समाधान हेतु महाप्रबंधक से मांग की गई थी इस पर महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने गंभीरता दिखाते हुए एक सप्ताह के भीतर लाइट व्यवस्था दुरुस्त कराने का आश्वासन दिया था तथा तत्काल बिलासपुर जोन के इलेक्ट्रिक इंचार्ज को आवश्यक निर्देश भी दिए थे। इलेक्ट्रिक इंचार्ज में एक सप्ताह की अवधि में लाइट लगाने की बात कही थी

महाप्रबंधक के निर्देशों का प्रभाव इतना सकारात्मक रहा कि रेलवे बिलासपुर प्रबंधन द्वारा महज दो दिनों के भीतर ही चरचा अंडरब्रिज को रोशनी से जगमगा दिया गया, जबकि निर्धारित समय एक सप्ताह का था।अब अंडरब्रिज में रात्रि के समय आवागमन पूरी तरह सुरक्षित व सुगम हो गया है, जिससे नगर पालिका शिवपुर चरचा क्षेत्रवासियों सहित बाहर से आने-जाने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।इस त्वरित व जनहितकारी कार्य के लिए स्थानीय नागरिकों ने रेलवे प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया वहीं चरचा बचाव मंच के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने महाप्रबंधक तरुण प्रकाश की सराहना करते हुए भविष्य में भी चरचा क्षेत्र में रेलवे विकास के निरंतर विस्तार की पअपेक्षा की है उल्लेखनीय है कि अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना के अंतर्गत बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन करोडों रुपए की लागत से विकसित किया जा रहा है। यह स्टेशन कोरिया जिले का अत्यंत महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है, जहां से प्रतिदिन हजारों यात्री आवागमन करते हैं।रेलवे अपनी *सेवा, गुणवत्ता और जनसंवेदनशील कार्यशैली के लिए पहले से ही देशभर में जाना जाता है, और जी.एम. तरुण प्रकाश की यह पहल उसी परंपरा को और मजबूत करती है। महाप्रबंधक रेलवे द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही से यह स्पष्ट है कि प्रशासनिक इच्छा शक्ति हो तो समस्याओं का समाधान शीघ्र संभव है यदि अन्य जिम्मेदार स्थानीय अधिकारी भी इसी तरह सक्रियता दिखाएं तो कोरिया जिले का विकास नई गति पकड़ सकता है

कोरिया जिला मुख्यालय में गणतंत्र दिवस पर सद्भावना क्रिकेट मैच, प्रशासन इलेवन विजयी

कोरिया बैकुंठपुर । गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जिला मुख्यालय में प्रशासन एवं पत्रकारों के बीच सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इस रोमांचक मुकाबले में प्रशासन इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पत्रकार इलेवन को पराजित कर मैच अपने नाम किया। मैच का उद्देश्य आपसी सद्भाव, सौहार्द और सहयोग की भावना को मजबूत करना रहा।

प्रशासन इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 121 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशुतोष चतुर्वेदी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए आकर्षक शॉट्स लगाए और महत्वपूर्ण रन जोड़े। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार प्रदान किया गया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार इलेवन की टीम ने भी संघर्षपूर्ण खेल का प्रदर्शन किया। जिले के विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों के ब्यूरो चीफ एवं पत्रकारों ने मैदान में उतरकर खेल भावना का परिचय दिया। हालांकि टीम निर्धारित ओवरों में 105 रन ही बना सकी और प्रशासन इलेवन से 16 रन से मुकाबला हार गई।मैच के दौरान खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए विधायक भैयालाल राजवाड़े, कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, नगरपालिका उपाध्यक्ष आशीष यादव सहित जिला प्रशासन के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला बढ़ाया।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार के सद्भावना मैच प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय और सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देते हैं। खेल के माध्यम से आपसी संबंध मजबूत होते हैं और सामाजिक सौहार्द का संदेश समाज तक पहुंचता है। आयोजन ने गणतंत्र दिवस के उत्सव को और भी यादगार बना दिया।

बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ जिलास्तरीय कार्यक्रम

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में राज्य शासन की प्रतिबद्धता को साकार करता बस्तर पंडुम-2026 जिला स्तरीय कार्यक्रम बुधवार को मिनी स्टेडियम सुकमा में भव्य और भावनात्मक माहौल में संपन्न हुआ। बस्तर कमिश्नर श्री डोमन सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस आयोजन ने बस्तर की सांस्कृतिक आत्मा, परंपरा और जीवंत विरासत को एक मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। 12 विधाओं में आयोजित प्रतियोगिताओं में लोकनृत्य, गीत-संगीत, नाट्यकला, वेशभूषा, आभूषण, शिल्प, पारंपरिक व्यंजन एवं पेय पदार्थों ने दर्शकों को बस्तर की जड़ों से जोड़ दिया।कार्यक्रम में आदिवासी कलाकारों की प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि बस्तर केवल भूगोल नहीं, बल्कि जीवित संस्कृति है। पारंपरिक नृत्य, लोकगीत और रीति-रिवाजों के प्रदर्शन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर स्थानीय हस्तशिल्प और खानपान की सराहना करना, प्रशासन की जमीनी जुड़ाव की भावना को दर्शाता है। महिला आयोग सदस्य सुश्री दीपिका सोरी ने बस्तर पंडुम को जनजातीय पहचान को सहेजने की ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि अपनी संस्कृति को बचाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।कार्यक्रम प्रशासनिक संवेदनशीलता और विकास की सोच का भी सशक्त उदाहरण बना। मंच से स्वास्थ्य विभाग में चयनित 11 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित कर दूरस्थ नियद क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ करने का स्पष्ट संदेश दिया गया। वहीं शिक्षित युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन और डिस्ट्रिक्ट मैनेजमेंट सर्विस के साथ एमओयू किया गया, जो युवाओं के भविष्य को संवारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कलेक्टर श्री अमित कुमार ने कहा कि बस्तर पंडुम केवल उत्सव नहीं, बल्कि प्रतिभाओं को पहचान और आगे बढ़ने का अवसर देने का माध्यम है। हमारे लिए गर्व की बात है कि बस्तर पंडूम के विजयी प्रतिभागी आगामी दिनों संभागस्तरीय बस्तर पंडूम कार्यक्रम जगदलपुर में भाग लेंगे। आज नीति आयोग द्वारा संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ किया जा रहा है और आज ही मंच से स्वास्थ्य विभाग में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए इनकी नियुक्ति दूरस्थ नियद क्षेत्रों में की गई है। इसके साथ ही शिक्षित युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लाइवलीहुड कालेज के माध्यम से एक एमओयू भी किया जा रहा है। आप सभी का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद।

बस्तर संभागायुक्त श्री डोमन सिंह ने अपने तीन दशकों के प्रशासनिक अनुभव को साझा करते हुए यहाँ की जनजातीय संस्कृति, वेशभूषा और ग्रामीणों की सहजता को बस्तर की असली पूंजी बताया। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि बस्तर की पावन धरा पर सेवा का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

राष्ट्रपति के बस्तर प्रवास : मुख्य सचिव ने सभी तैयारियों को लेकर ली उच्च स्तरीय बैठक

रायपुर। प्रदेश के मुख्य सचिव ने मंत्रालय में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन को देखते हुए एक उच्च स्तरीय बैठक ली, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति के छत्तीसगढ़ आगमन को लेकर सभी तैयारियां करने के निर्देश दिया है। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू 7 फरवरी 2026 को एक दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगी। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति जगदलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव 'बस्तर पंडुम-2026' का औपचारिक उद्घाटन करेंगी।राष्ट्रपति बनने के बाद द्रौपदी मुर्मू का चौथा दौरा है। पुलिस एवं अन्य केन्द्रीय खुफिया एजेंसियों ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। यह भव्य सांस्कृतिक महोत्सव छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य बस्तर अंचल की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोककला, पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत, वेशभूषा, रीति-रिवाज एवं हस्तशिल्प को राष्ट्रीय पहचान दिलाना है।मुख्यमंत्री द्वारा राष्ट्रपति को इस प्रतिष्ठित आयोजन के उद्घाटन हेतु आमंत्रण दिया गया था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। राष्ट्रपति की उपस्थिति से बस्तर पंडुम को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है।इस महोत्सव के माध्यम से जनजातीय कलाकारों, शिल्पकारों एवं लोक कलाकारों को प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ क्षेत्रीय पर्यटन और सांस्कृतिक चेतना को भी बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति के आगमन एवं कार्यक्रम को लेकर जिला एवं राज्य प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रहीं हैं।

राजकन्हान नदी में यह का ट्रैकिंग एक को

कोरबा। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया की कोरबा यूनिट साहसिक और रोमांचक गतिविधियों के अंतर्गत रविवार 1 फरवरी को ट्रैकिंग कार्यक्रम आयोजित कर रही है। पसरखेत के नजदीक राजकनहान नदी को इसके लिए चुना गया है। संगठन की स्थानीय इकाई के अध्यक्ष ने बताया कि 100 सदस्य इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। ट्रैकिंग गतिविधियों के साथ मनोरंजन के विकल्प भी यहां पर दिए गए हैं। सामान्य ज्ञान, क्विज, सिंगिंग और परिचयात्मक सत्र इसमें खास होगा। समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। संगठन के संरक्षक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी थर्मल पावर प्लांट कोरबा ईस्ट के मुख्य अभियंता संजीव कंसल इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

काम के लिए कहा तो दे दी जान

कोरबा। बांकीमोंगरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा ने सिर्फ इसलिए अपनी जान दे दी क्योंकि उसे घर के कामकाज के लिए मां ने सामान्य फटकार लगाई थी। कुछ घंटे के बाद युवती को फंदे पर लटका देखा गया। इससे घर में कोहराम मच गया। फौरी तौर पर उसे अस्पताल ले जाएंगे जहां पर डॉक्टर ने परीक्षण करने के साथ उसे मृत घोषित कर दिया।

चोरी की घटनाओं ने डाला चिंता में कबाड़ अड्डों पर दी पुलिस ने दबिश

दो टूक चेतावनी - चोरी का कबाड़ मिला तो खैर नहीं

कोरबा। लगातार बढ़ रही कबाड़ चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए कटघोरा में पुलिस एक्शन में है। कटघोरा एसडीओपी विजय सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में कटघोरा के प्रभारी निरीक्षक राम पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में संचालित कबाड़ व्यवसायियों के यहां सघन दबिश दी।

पुलिस टीम ने कबाड़ दुकानों की जांच के दौरान व्यवसायियों को सख्त चेतावनी दी कि यदि उनके यहां चोरी का कबाड़ पाया जाता है या किसी भी चोरी की घटना में उनकी संलिप्तता सामने आती है, तो इसके लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराया जाएगा। साथ ही संबंधित धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट रूप से कहा कि बिना वैध दस्तावेजों के कबाड़ की खरीद-फरोख्त करना अपराध की श्रेणी में आता है। ऐसे में कबाड़ व्यवसायियों को अपने-अपने प्रतिष्ठानों का संचालन पूरी तरह नियमों के अनुरूप करना होगा। इसके साथ ही कई स्थानों पर अवैध रूप से संचालित कबाड़ व्यवसाय को बंद करने की समझाइश भी दी गई। पुलिस के रुख से क्षेत्र में सक्रिय कबाड़ चोरों और अवैध कबाड़ कारोबारियों में हड़कंप है। आम नागरिकों से पुलिस ने कहा कि यदि कहीं चोरी का कबाड़ खपाए जाने की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। ऐसी सभी सूचनाओं के मामले में लोगों के नाम गुप्त रखे जाएंगे।

पुल और रेलवे ट्रैक को भी नहीं छोड़ा

कोरबा जिले में संगठित कबाड़ ग्रुप की करस्तानी इस कदर बढ़ गई है कि शहरी क्षेत्र में पुलिस का टेंशन लगातार बढ़ रहा है। एक सप्ताह के भीतर कोरबा के सिविल लाइन पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत कबाड़ चोरों ने खतरनाक प्लानिंग के तहत सीएसईबी के रसियन हॉस्टल के नजदीक जल संसाधन विभाग की नहर पर बनाए गए लोहे के पुल का 10 टन से ज्यादा सामान पार कर दिया। इस मामले में अब तक पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि पांच आरोपी अभी भी फरार हैं। इस मामले की जांच पड़ताल पुलिस कर ही रही थी कि दूसरे क्षेत्र में एक नया मामला सामने आए जिसमें रेलवे ट्रैक के बड़े हिस्से को चोरों ने पार कर दिया। यह घटनाएं कबाड़ चोरों के मजबूत मनोबल को स्पष्ट करती है वही इस बात को भी साफ करती है कि विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस और विभागीय कंपनियों के सुरक्षा तंत्र की पेट्रोलिंग किस कदर से लचर है। माना जा रहा है कि अगर इसी तरीके से कामकाज चलता रहा तो आने वाले दिनों में चोर गिरोह आम लोगों के साथ साथ सरकारी संपत्ति को दिन दहाड़े पार करने में संकोच नहीं करेगा।

बिना एसी का अहाता संचालक लगा रहा चूना

मौन साधा आबकारी अमले ने मामले में

कोरबा। दीपका में आबकारी विभाग द्वारा संचालित देसी विदेशी शराब दुकान की परिसर में संचालित किया जा रहा वातानुकूलित अहाता हर स्तर पर नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है। इस व्यवस्था से उपभोक्ताओं को चूना लग रहा है और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कोयलांचल दीपका में काफी समय से शराब दुकान के आसपास चल रही चकना दुकान भी विवादों में रही। मौके पर अव्यवस्था के सांसद कई स्तर पर मनमानी पर सवाल खड़े हुए। वर्तमान में इसी परिसर में नई शक्ल में आहाता की सुविधा पीने वालों के लिए उपलब्ध कराई गई है। नियम के अंतर्गत किस वातानुकूलित किया जाना है और बेहतर कवर्ड क्षेत्र उपलब्ध कराना है। लेकिन दीपिका में ऐसा कुछ है ही नही। बताया गया कि ओपन एरिया में ही यह चखना सेंटर चल रहा है, जिसे आहाता का नाम दिया गया है। ऐसे में ना तो प्राइवेसी बची है और ना ही सुविधा। जहां-तहां गंदगी के बीच सरकार के आबकारी विभाग को रेवेन्यू देने वाला वर्ग मजबूरी अथवा अपनी आवश्यकता के कारण सेवाएं लेने को मजबूर है। शिकायत है कि सुविधा के नाम पर ज्यादा रुपए लिए जा रहे थे लेकिन सुविधा का आता पता नहीं है। सबसे खास बात यह है कि पूरे मामले की निगरानी की जिम्मेदारी आबकारी विभाग को है लेकिन उसके अधिकारियों ने आंख मूंद रखी है और एक तरह से संचालक को आवेदन दे रखा है।

जिला गठन की मांग के लिए दिया धरना

कोरबा। कटघोरा में अधिवक्ता संगठन के द्वारा पृथक जिला गठन की मांग को लेकर आज सुबह 10:00 बजे से धरना दिया गया। यह शाम 5:00 बजे तक चलेगा। मांग के पीछे संगठन ने कई आधार बताएं। उसका तर्क है कि तीन दशक से इस बारे में हम लोग मांग कर रहे हैं लेकिन इसके कोई नतीजा नहीं आ सके। बीते वर्षों में संगठन की ओर से कई महीने तक धरना देने का काम भी किया गया। इसकी जानकारी एक बार फिर प्रशासन को दी गई।

मंत्री समर्थक वैभव शर्मा बने भाजयुमो के जिलाध्यक्ष

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में जिला अध्यक्ष एवं जिला महामंत्रियों की नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। कोरबा जिले के मंत्री लखनलाल देवांगन के समर्थक वैभव शर्मा को भाजयुमो का नया जिलाध्यक्ष बनाया गया है। उनके साथ ही महामंत्री की जिम्मेदारी मोंटी पटेल को सौंप दी गई है। भाजयुमो जिलाध्यक्ष की दौड़ में कई नेता शामिल थे। यह नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। प्रदेश भाजपा कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा आगामी संगठनात्मक व राजनीतिक गतिविधियों को मजबूती देने के उद्देश्य से यह नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

अब कुसमुंडा में सर्वेश्वरी के खिलाफ बागी हुए श्रमिक

कोरबा। औद्योगिक जिले कोरबा में शोषण के खिलाफ श्रमिकों की लड़ाई तेज हो गई है। कोयलांचल गेवरा दीपिका के बाद अब श्रमिकों ने सर्वेश्वरी कंपनी के खिलाफ कुसमुंडा में बागी तेवर अपना लिए है। उनका कहना है कि मजदूरी की दर के अलावा कई प्रकार की सुविधाओं से हमें वंचित किया जा रहा है।

ताजा घटनाक्रम में बायलॉज कंपनी के अंतर्गत सर्वेश्वरी इंटरप्राइजेज के श्रमिकों ने कुसमुंडा क्षेत्र में कामकाज ठप कर दिया है। निर्धारित मजदूरी नहीं देने के साथ-साथ दूसरी वित्तीय सुविधाओं के मामले में भारी कटौती और एक तरह से सरकार के द्वारा तय की गई व्यवस्था का लाभ श्रमिकों को नहीं दिए जाने से यह वर्ग बेहद खफा है। बार-बार इसे लेकर श्रमिकों की शिकायतें सामने आती रही है। एक पखवाड़ा पहले ही कोरबा जिले के गेवरा दीपका क्षेत्र में श्रमिकों के द्वारा प्रदर्शन किया गया था। आरोप है कि निगरानी करने वाले अधिकारियों को ऐसे मामलों में पर्याप्त जानकारी होने पर भी उनकी ओर से उचित कार्रवाई नहीं की जा रही है जिसके कारण मजदूर वर्ग में काफी निराशा है। इसलिए अब उन्होंने अपने तेवर बदले हैं।

एनटीपीसी में भी शोषण की शिकायत

2600 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता वाली एनटीपीसी की कोरबा परियोजना में भी अनेक क्षेत्र का कंपनियों के द्वारा मजदूरों का आर्थिक शोषण करने की शिकायतें गंभीर हो गई है। इसे लेकर ठेका कामगार संगठन सामने आया। उसकी ओर से जिला प्रशासन को पूरे मामले से अवगत कराया गया। प्रशासन के अधिकारियों को जानकारी दी गई है कि एनटीपीसी में काम करने वाले ठेका कामगारों के लिए 780 रुपए प्रतिदिन की मजदूरी निर्धारण की गई है लेकिन इसका लाभ उन्हें नहीं मिल रहा है। ठेकेदारों की शोषण वाली प्रवृत्ति के कारण मजदूरों के सामने समस्याएं हैं। प्रशासन को बताया गया कि रिकॉर्ड में 780 रुपए का भुगतान किया जाता है लेकिन इसके बाद मजदूरों से ?400 प्रतिदिन के हिसाब से वापस ले लिए जाते हैं ऐसा नहीं करने पर उन्हें कम से हटाने की धमकी दी जाती है। जिसके कारण मजबूरी में मजदूर अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा वापस करने को मजबूर है। संगठन के पदाधिकारी गुरु मूर्ति के नेतृत्व में ठेका कामगारों ने इस मामले को लेकर पदयात्रा की।

अल्पसंख्यक मोर्चा की कमान सौंपी रंधावा को

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, जिला कोरबा के लिए संगठनात्मक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उत्तम सिंह रंधावा को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर जिले भर के भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष और उत्साह का वातावरण व्याप्त है। उत्तम सिंह रंधावा लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और संगठनात्मक कार्यशैली से जुड़े रहे हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक समाज के बीच भाजपा की विचारधारा को मजबूती से पहुंचाने, संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने तथा सामाजिक समरसता के संदेश को आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। उनके अनुभव, कार्यकुशलता और सक्रिय नेतृत्व क्षमता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

स्वर्ण बिंदु से बढ़ेगी बच्चों की क्षमता, प्रासन संस्कार एक को

कोरबा। चलो आयुर्वेद की ओर' मिशन के अंतर्गत लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट, पतंजलि चिकित्सालय एवं श्री शिव औषधालय के संयुक्त तत्वावधान में बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से 'बच्चे रहें स्वस्थ' योजना के तहत आयुर्वेदिक इम्यूनाइजेशन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत नाड़ीवैद्य डॉ. नागेंद्र नारायण शर्मा द्वारा 01 फरवरी रविवार को अति शुभ रवि पुष्य नक्षत्र में स्वर्ण बिंदु प्राशन संस्कार कराया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन पतंजलि चिकित्सालय एवं श्री शिव औषधालय, दुकान क्रमांक 10 एवं 11, महानदी कॉम्प्लेक्स, निहारिका रोड, कोरबा में किया जाएगा। स्वर्ण बिंदु प्राशन संस्कार के तहत जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों को आयुर्वेद पद्धति से स्वर्ण बिंदु प्राशन ड्रॉप्स पिलाकर टीकाकरण किया जाएगा। इसके साथ ही बच्चों का निशुल्क चिकित्सकीय परीक्षण किया जाएगा।

मिलेगी उचित आहार विहार की जानकारी

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को ध्यान में रखते हुए उनके अभिभावकों को बच्चों की आयु के अनुसार उपयोगी आहार-विहार की जानकारी दी जाएगी। साथ ही बच्चों एवं अभिभावकों को योग एवं प्राणायाम का निशुल्क प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। आयोजकों ने अधिक से अधिक अभिभावकों से अपने बच्चों को इस आयुर्वेदिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का लाभ दिलाने की अपील की है।

तिलकेजा स्कूल में सम्मेलन कल

कोरबा। क्षेत्र के सबसे प्राचीन शैक्षणिक संस्थानों में शुमार शासकीय विद्यालय तिलकेजा (पीएमश्री सेजेस) अपने गौरवशाली इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ने जा रहा है। विद्यालय की स्थापना वर्ष 1910 से दर्ज है, जबकि स्थानीय बुजुर्गों की मानें तो यह विद्यालय उससे भी 10-12 वर्ष पूर्व से शिक्षा की ज्योति जला रहा है। अर्थात लगभग सवा सौ वर्षों के इस गौरवपूर्ण इतिहास में पहली बार भूतपूर्व छात्रों का भव्य स्नेह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। अ31 जनवरी , शनिवार को आयोजित इस ऐतिहासिक मिलन समारोह में 88 वर्ष की आयु के वरिष्ठतम पूर्व छात्र से लेकर 20 वर्ष के युवा छात्र-छात्राएं लगभग 400 भूतपूर्व विद्यार्थी एक ही मंच पर एक-दूसरे से रूबरू होंगे।

60 फीसदी लाभ कमाया वेदांता ने तीसरी तिमाही में

कोरबा। वेदांता लिमिटेड ने 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही और वित्तीय वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों के लिए अपने अलेखापरीक्षित समेकित वित्तीय परिणामों की घोषणा करी। कंपनी का कर पश्चात मुनाफा (पीएटी) सालाना आधार पर 60 प्रतिशत बढ़कर 7,807 रुपये करोड़ पर पहुंच गया। तिमाही के दौरान कंपनी ने अब तक का रिकॉर्ड एबिट्डा 15,171 रुपये करोड़ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 34 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। एबिट्डा मार्जिन 629 बेसिस पॉइंट्स के विस्तार के साथ 41 प्रतिशत तक पहुंच गया। वेदांता ने अब तक का सर्वाधिक त्रैमासिक राजस्व 45,899 रुपये करोड़ दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

वेदांता का नेट डेब्ट टू एबिट्डा रेशो 1.40× से बेहतर होकर 1.23× पर पहुंच गया, साथ ही रिटर्न ऑन कैपिटल एम्प्लॉयड 27 फीसदी पर रहा, इसमें सालाना 296 बीपीएस की बढ़ोतरी हुई। वेदांता के डिमर्जर से जुड़े एनसीएलटी आदेश के बाद, क्रिसिल और इक्रा दोनों ने कंपनी की क्रेडिट रेटिंग को एए स्तर पर बरकरार रखा है। आयरन ओर के कारोबार ने 1.2 मिलियन टन का त्रैमासिक सीलेबल ओर उत्पादन दर्ज किया, जिसमें 3 फीसदी सालाना की बढ़ोतरी हुई। वहीं पिग आयरन का उत्पादन 6 फीसदी सालाना बढ़ोतरी के बाद 229 किलोटन पर पहुंचा। कॉपर कैथोड़ का उत्पादन सालाना बढ़कर 45 किलोटन पर पहुंच गया, यह पिछले सात सालों में अधिकतम त्रैमासिक उत्पादन रहा। फेरो क्रोम का उत्पादन 32 फीसदी सालाना की ज़बरदस्त बढ़ोतरी के बाद 24 किलोटन पर पहुंचा। पावर व्यवसाय ने मजबूत प्रदर्शन किया, जिसमें बिक्री में सालाना आधार पर 61 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

वेदांता ने तिमाही के दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। कंपनी को इसके प्रस्तावित डीमर्जर के लिए एनसीएलटी से अनुमोदन मिल गया है, जो दीर्घकालिक मूल्य सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।। वेदांता ने इनकैब इंडस्ट्रीज़ के अधिग्रहण के साथ कॉपर और एलुमिनियम में अपने डाउनस्ट्रीम फुटप्रिन्ट को मजबूत बना लिया है।

कंपनी ने तिमाही के दौरान लगभग 30 प्रतिशत का कुल शेयरधारक प्रतिफल दर्ज किया, जो निफ्टी से 5× और निफ्टी मेटल सूचकांक से 2.7× बेहतर रहा, क्योंकि शेयरों ने बार-बार अपने अब तक के उच्चतम स्तर को छुआ। इसके अलावा, वेदांता ग्रुप ने उच्च-मूल्य क्रिटिकल मिनरल्स के तीन अतिरिक्त माइनिंग ब्लॉक हासिल किए, जिसके साथ कुल असाइन्ड ब्लॉक्स की संख्या 11 पर पहुंच गई है। कुल शेयरहोल्डर रिटर्न पिछले पांच सालों में 428 फीसदी रहा, जिससे कुल डिविडेंड यील्ड 73.5 फीसदी हो गई है।

एसईसीएल कर्मी यादव को आर्चरी में गोल्ड, खेलेंगे टोक्यो में

कोरबा। कोरबा जिले के उभरते हुए धनुर्धर सेद यादव को महाराष्ट्र के पुणे शहर में आयोजित आर्चरी काम्पीटिशन में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय स्तर पर क्वालीफाई करने के साथ उन्होंने जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित होने वाले अंर्तराष्ट्रीय गेम्स के लिए पात्रता हासिल कर ली है। आठवां मास्टर गेम्स आर्चरी 27 से 31 जनवरी तक पुणे में आयोजित हुआ। कोरबा के एसईसीएल सेंट्रल वर्कशाप के कर्मचारी सेद यादव ने इसमें मजबूती के साथ दमखम दिखाया और स्वर्ण पदक जीत लिया। वर्कशाप के महाप्रबंधक जीके द्विवेदी, कार्मिक प्रबंधक शैलेन्द्र परासर, इलेक्ट्रिक रिपेयर शॉप के सभी अधिकारी, कर्मचारियों ने सफलता की बधाई दी। जानकारी मिली कि तीरंदाजी का अंर्तराष्ट्रीय आयोजन अगले महीने जापान में होना है। एसईसीएल ने कर्मचारी गतिविधियों के अंतर्गत श्री यादव को पर्याप्त सहायता और प्रोत्साहन देने का वादा किया है।

बोकरामुड़ा में अखंड नवधा रामायण आयोजित
प्रत्येक घर में रामायण अनिवार्य रूप से रखें - दुबे

कोरबा। ग्राम बोकरामुडा स्थित शिव मंदिर परिसर में ग्राम वासियों द्वारा अखंड नवधा रामायण का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें समस्त ग्राम भक्तिमय वातावरण में डूबा हुआ है। आसपास के रामायण मंडली द्वारा कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर कर हिस्सेदारी की जा रही है।

कल सनातन संघर्ष समिति के जिला संयोजक अजय कुमार दुबे इस पावन कथा में रामायण श्रवण करने उपस्थित हुए । इस अवसर पर आपने उपस्थित ग्रामवासियों एवं मातृ-शक्तियों को संबोधित करते हुए आग्रह किया कि प्रत्येक परिवार यह प्रतिज्ञा करें कि वो अपने घरों में अनिवार्य रूप से रामायण रखेंगे एवं अपने बच्चों को कम से कम एक घंटे उसका वाचन करवायेंगे। क्योंकि आज स्कूली बच्चों में ही सर्वाधिक भटकाव की स्थिति निर्मित हो रही है। साथ ही आपने सभी से एक साथ भोजन एवं एक साथ पूजा का भी आग्रह किया। इस अवसर पर अमरनाथ कौशिक के द्वारा सभी को भारत माता का चित्रण एवं पंच परिवर्तन का पत्रक भी वितरित किया गया। साथ में लखनलाल राठौर एवं छोटेलाल पटेल भी शामिल हुए।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com